

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, मंगलवार 1 सितंबर 2026



विश्वास, पीढ़ियों का.



सच्ची सुरक्षा एक ऐसा उपहार है जो एक पीढ़ी से दूसरी को सौंपा जाता है...
1956 से, एलआईसी ने भरोसे का एक अटूट रिश्ता बनाया है जो समय के साथ और भी मज़बूत होता जा रहा है.

मना रहे हैं विश्वास के 70 सालों का जश्न.



हर पल आपके साथ

सहायक कंपनियां:



सहयोगी कंपनियां:



क्यूआर कोड स्कैन करें और
डाउनलोड करें My LIC App



हमारा वॉट्सएप नं.
8976862090



हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever

IRDAI Regn No.: 512

नकली फोन कॉल्स और झूठे/धोखाधड़ी पूर्ण ऑफर्स से सावधान रहें. आईआरडीएआई जीवन बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस घोषित करने या प्रीमियमों के निवेश, रकम की वापसी जैसी गतिविधियों में संलग्न नहीं है. ऐसे फोन कॉल प्राप्त करने वाले व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करवाएँ.

खबर संक्षेप

प्रसव के बाद महिला की मौत शव रखकर अस्पताल में प्रदर्शन

जशपुरनगर। केरसई के शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के बाद कॉपर-टी लगाने के बाद तबीयत बिगड़ने से एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सोमवार को अस्पताल परिसर में शव रखकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की।केरसई निवासी प्रफुल्ला हंसरा (29) की 29 जुलाई को शासकीय अस्पताल में डिलीवरी हुई थी। परिजनों के अनुसार प्रसव के बाद कॉपर-टी लगाए जाने के बाद उसके पेट में असहनीय दर्द हुआ और तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उसे कुनकुरी रेफर किया गया। इसके बाद रायगढ़ मेडिकल कॉलेज, सुंदरगढ़, बुर्ला और अंत में कटक के अस्पताल में इलाज कराया गया। करीब एक महीने तक उपचार के बाद रविवार सुबह 8 बजे कटक में उसकी मौत हो गई।

घर से निकला ग़ालीन लापता दूसरे दिन तालाब में मिला शव बलरामपुर। जिले के कोटपाली गांव के आश्रित ग्राम दूहलुग्राम में तालाब में डूबने से एक ग्रामीण की मौत हो गई। मृतक की पहचान बेचन राम के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार बेचन राम शनिवार को शौच के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद घर वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। रविवार देर शाम उसका शव गांव के तालाब में मिला। घटना की सूचना मिलते ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंह देव मौके पर पहुंचे और पुलिस को इसकी जानकारी दी। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। पुलिस की मौजूदगी में स्थानीय गोताखोरों की टीम ने तालाब में रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर मर्ग कायम किया है। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घर में धावा बोलकर जेवरात समेत 15 लाख का माल पार, 7 गिरफ्तार जांजगीर-चांपा। घर में धावा बोलकर सोने चांदी के जेवरात नगदी समेत 15 लाख से अधिक का माल पार करने के मामले में पुलिस ने 3 नाबालिंग समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं उनके कब्जे से सोने चांदी के जेवरात व नगदी बरामद किया गया है। इस संबंध में बलौदा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्राथी नवीन सोनी निवासी वार्ड क्रमांक 7 बलौदा अपने परिवार के साथ घर में सोया था। सुबह उठने पर कमरे की कुंडी बाहर से बंद मिली। बाद में घर के दूसरे कमरे में जाकर देखा तो आलमारी का ताला एवं कुंडी टूटी हुई थी।

सर्विस लेन चौड़ीकरण , बिजली खंभे हटाने लगेंगे 24 करोड़, पहली किस्त में मिले आठ करोड़

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर राजधानी के सबसे व्यस्त हाईवे में शामिल मुंबई-हावड़ा रूट को जोड़ने वाले एनएच-53 पर लम्बांडी से सरोना 14.25 किलोमीटर सर्विस लेन के चौड़ीकरण की योजना है। चौड़ाई पांच मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर की जानी है। सर्विस लेन चौड़ीकरण के लिए रास्ते में लगे 382 विद्युत पोल के साथ 33 तथा 11 केवी के 69 ट्रांसफार्मर शिफ्ट किए जाने हैं। ट्रांसफार्मर तथा विद्युत पोल शिफ्ट करने बिजली विभाग ने एनएचएआई को 24 करोड़ रुपए का डिमांड नोट दिया है। इस डिमांड नोट में से एनएचएआई ने पहली किस्त के रूप में आठ करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। शेष राशि मुख्यालय से अनुमति मिलने के बाद जारी की जाएगी। एनएचएआई बिजली विभाग के डिमांड नोट के आधार पर पूरी राशि जारी कर भी देता है तो भी विद्युत

पोल के साथ ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने में एक माह का समय लग जाएगा। सर्विस लेन का काम शुरू होने से पहले अभी कई प्रक्रियाएं बाकी हैं। विभाग के लिए सबसे बड़ी परेशानी 382 अतिक्रमण हटाना है। अतिक्रमण हटाने के दौरान संबंधित एजेंसी को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जानकार सर्विस लेन चौड़ीकरण का कार्य नवंबर-दिसंबर के बाद शुरू होने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं। फरवरी में सौ करोड़ रुपए की सर्विस लेन चौड़ीकरण करने परियोजना शुरू की गई है। सर्विस लेन चौड़ीकरण पूरा करने का लक्ष्य वर्ष 2027 निर्धारित है। साल के आठ महीने गुजर जाने के बाद भी अब तक सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू नहीं किया गया है, ऐसे में वर्ष 2027 तक सड़क चौड़ीकरण का काम कैसे पूरा हो सकता है।

मॉल-दुकान से लेकर मेडिकल स्टोर तक में पुराने स्टॉक की हो रही बिक्री बैन से सप्लाई बंद, शहद-घी समेत अन्य प्रोडक्ट का पुराना स्टॉक बाजार में अभी भी खुलेआम बिक रहा

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने कई कंपनियों के प्रोडक्ट पर

गुणवत्ता मानक तथा भ्रामक विज्ञापन के मद्देनजर

कार्रवाई करते हुए बैन लगाया है। इनमें खानपान

के प्रोडक्ट जैसे शहद, घी, वर्जिन कोकोनेट ऑयल,

एप्पल साइडर विनेगर, नारियल पानी, हिंग

समेत शराब की कुछ बांड भी शामिल हैं। इन सभी प्रोडक्ट पर बैन तो लगाया गया है,

लेकिन इनमें से लगभग सभी प्रोडक्ट अभी भी खुलेआम बाजार में बिक रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर भारतीय ने सोमवार को मेडिकल स्टोर, किराना दुकान तथा मॉल जैसे फूड प्रोडक्ट स्टोर्स में जाकर ऐसे प्रोडक्ट की लाइव पड़ताल की। इससे पता चला कि बैन लगने के बाद इन प्रोडक्ट की सप्लाई पर जरूर प्रभाव पड़ा है, लेकिन बिक्री अभी भी हो रही है। एफएसएसएआई ने अगस्त माह में फूड सामग्री बेचने वाली कई कंपनियों के प्रोडक्ट पर बैन लगाया है। इसमें एक नामी कंपनी का शहद एवं गाय घी भी शामिल है। ये दोनों प्रोडक्ट अभी भी बाजार में उपलब्ध है, जिसे लोग जानकारी के अभाव में खरीद पड़ा है, कंपनी इन दोनों प्रोडक्ट को शत-प्रतिशत शुद्ध बताते हुए इस प्रचार करते हुए बिक्री कर रही है। इस संबंध में आई आपत्तियों पर एफएसएसएआई की प्रारंभिक जांच में शत-प्रतिशत शुद्धता नहीं पाई गई है। सूत्रों के अनुसार एफएसएसएआई ने इसके मद्देनजर कंपनी को नोटिस जारी कर शुद्धता के पर्याप्त प्रमाण पत्र मांगे हैं, तब तक इन प्रोडक्ट के उत्पादन के साथ सप्लाई पर बैन लगाया है।



पुराना स्टॉक बिक रहा, नए स्टॉक का ऑर्डर नहीं

शहद और घी के अलावा दुकानों एवं मॉल के फूड स्टोर्स में वर्जिन कोकोनेट ऑयल, एप्पल साइडर विनेगर, नारियल पानी, होंग जैसे प्रोडक्ट भी खुलेआम बिक रहे हैं। हालांकि जिन स्टोर्स में इन प्रोडक्टों की बिक्री हो रही है, उनमें कार्यरत कर्मचारियों का कहना है कि उनके स्टोर्स में रखा प्रोडक्ट पुराने स्टॉक का है। नया स्टॉक आया है या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। वहीं कुछ कर्मचारियों को इन प्रोडक्ट पर बैन लगे होने की जानकारी तक नहीं है। इसके अलावा कहीं-कहीं यह भी जानकारी मिली है कि बैन लगने के कारण अब दुकानदारों ने नया स्टॉक मंगाना बंद कर दिया है। पुराना स्टॉक जो बचा है, उसे ही बेच रहे हैं।

बिक्री पर रोक लगाने संबंधी कोई आदेश नहीं

एफएसएसएआई ने कुछ कंपनियों के बांडों के बुनिंद वेरेंट्स की बिक्री पर रोक लगाने संबंधी जानकारी मिली है, लेकिन इन बांड्स की शराब बिक्री से संबंधित विभाग से कोई आदेश नहीं आया है। इनकी बिक्री जारी है।

- प्रवीण वर्मा, उपायुक्त, आबकारी रायपुर

जांच-कार्रवाई कर रहे

विभाग द्वारा लगातार जांच कर कार्रवाई की जा रही है। एफएसएसएआई ने आर्युड मोक, रॉयल चैलेंज, बेगपाइपर और मैकडीवेल्ट्स जैसे कुछ बांडों के बुनिंद वेरिफंट्स की बिक्री पर रोक लगाई है। ऐसी शराब की बांड भी शराब दुकानों में बिक रही है। खबर के अनुसार इन बांड के लैब टेस्ट में पाया गया था कि कुछ कमियां प्राकृतिक रूप से शराब को पुराना करने के बजाय उसमें कृत्रिम या बाहर से फ्लेवर मिला रही है, जो नियम और लेबलिंग मानकों के खिलाफ है।

- दीपक अग्रवाल, निर्यंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

घुनघुट्टा के खोले गए तीन गेट



सरगुजा के तीन बांध हुए लबालब, लगातार छोड़ा जा रहा पानी

अम्बिकापुर। सरगुजा में मानसून की बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश से एक तरफ जहां नदी नाले उफान पर है तो वहीं दूसरी ओर सरगुजा के बड़े बांध लबालब हो गए है। अच्छी बात यह है कि सरगुजा के चार बड़े बांधों में से तीन में शत प्रतिशत जल भराव हो गया है और इन बांधों की क्षमता को बनाए

रखने के लिए लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। हालांकि सरगुजा के महत्वपूर्ण बाकी जलाशय में अभी भी 60 प्रतिशत ही जल भराव हुआ है लेकिन अधिकारी अगले एक महीने के भीतर इसमें भी 80 प्रतिशत तक जल भराव होने की उम्मीद जता रहे हैं। इधर शत प्रतिशत जल भराव के बाद घुनघुट्टा बांध के तीन गेट खोल

दिए गए है। बता दें कि सरगुजा में मानसून की बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। बादलों की सक्रियता लगातार बनी हुई है और जिलेभर में अच्छी वर्ष हो रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार इस बार तीन महीने में 1229.3 मिलीमीटर बारिश हुई है जो औसत वर्षा का 100.8 प्रतिशत है।

जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल को हाईकोर्ट में दी गई विदाई



हरिभूमि न्यूज़ ►►बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हुए जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के न्यायालय कक्ष में हुए कार्यक्रम में हाईकोर्ट के जस्टिस, अधिवक्ता और न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल के विधिक ज्ञान, निष्पक्षता और प्रशासनिक दक्षता की सराहना करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण

बताया। उन्होंने कहा कि जस्टिस अग्रवाल ने अपने कार्यकाल में प्रत्येक मामले को धैर्य और निष्पक्षता के साथ सुना। बार और बेंच के साथ उनके सौहार्दपूर्ण संबंध रहे। उनका शांत स्वभाव, संतुलित दृष्टिकोण और शालीन आचरण सभी के लिए प्रेरणादायी रहा। चीफ जस्टिस ने कहा कि जस्टिस अग्रवाल ने विधि के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय नियंत्रण दिए। उनके निर्णयों में निष्पक्षता, संवैधानिक नैतिकता और कानून के शासन के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई देती है। उन्होंने जस्टिस अग्रवाल के भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

2014 में मिला था उत्कृष्टता पुरस्कार

जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल ने जिला न्यायालय को स्थायी जज के रूप में शपथ ली। हाईकोर्ट में कार्यकाल के दौरान उन्होंने सिंगल बेंच के 101 रिपोर्टेड जजमेंट और डिवीजन बेंच के 40 रिपोर्टेड जजमेंट सहित 3450 से अधिक मामलों का निराकरण किया। विदाई अवसर पर जस्टिस अग्रवाल ने चीफ जस्टिस, हाईकोर्ट के सभी जस्टिस, परिचर, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और न्यायालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपने करीब तीन दशक के न्यायिक सेवा अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में हाईकोर्ट के समस्त जस्टिस, महाधिवक्ता, राज्य विधिक परिषद एवं हाईकोर्ट अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता, रजिस्ट्रार जनरल, न्यायिक अकादमी, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी, प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी तथा हाईकोर्ट के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

124 करोड़ के अग्निशमन गाड़ियों को खरीदने का रास्ता साफ

पिछले 19 अगस्त को दिए गए हाईकोर्ट के निर्देश का तत्काल असर हुआ है और करीब 6 महिने से लंबित पड़ी समय सीमा बढ़ाने की अनुमति वित्त सचिव द्वारा प्रदान कर दी गई है। सोमवार को यह जानकारी वित्त सचिव द्वारा दाखिल शपथ पत्र में दी गई । इसके हिसाब से 124 करोड़ के अग्निशमन वाहनों की खरीदी के लिए जो पैसा खर्च करने की सीमा थी वह टेंडर की देरी के कारण क्रॉस हो गई थी और उसमें वृद्धि आवश्यक थी। इस समय सीमा को 31 मार्च 2027 तक के लिए बढ़ा दिया गया है जिससे कि अब अग्निशमन वाहनों की खरीदी सुचारु रूप से हो सकेगी। इन वाहनों की खरीदी का टेंडर आदि हो चुका है और प्रक्रिया अपने अंतिम दौर में है।हाईकोर्ट में आज की सुनवाई में राज्य शासन न्याय मंत्र अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने यह जानकारी श्रीवास्तव ने खंडपीठ को यह भी बताया कि आज गृह सचिव द्वारा दाखिल शपथ पत्र में इस अनुमति के जिक्र करने के साथ-साथ यह भी जानकारी दी गई है कि लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत का एक और प्रस्ताव वित्त विभाग स्वीकृत के लिए भेजा गया है, जिससे प्रदेश के फायर स्टेशनों का अपग्रेडेशन एवं अन्य उपकरणों की खरीद की जाएगी।आज पारित आदेश में इस प्रस्ताव पर विचार कर राज्य सरकार को अपनी बात रखने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है अब प्रकरण की सुनवाई इसके बाद होगी।

हाईकोर्ट ने अपराध पीड़ितों को मुआवजा देने के मामले में शासन से मांगा जवाब

छत्तीसगढ़ में अपराध पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए संचालित पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि अप्रैल 2025 मामलों में 37 करोड़ 7 लाख 42 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति राशि लंबित है। यह इसीलिए सरकार की तरफ से फंड उपलब्ध नहीं कराए गए। मामले में राज्य सरकार ने ओर से पैरवी करते हुए महाधिवक्ता कार्यालय के लॉ

अफसर ने डिवीजन बेंच को बताया कि पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना 2018 के तहत राशि के आवंटन और भुगतान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। लंबित राशि फंड उपलब्ध होते ही जल्द जारी कर दी जाएगी। कोर्ट ने मामले की निगरानी जारी रखते हुए सक्षम अधिकारी को व्यक्तिगत शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका की पिछली सुनवाई के दौरान सामने आया था कि सरकार ने योजना के लिए अलग बजट हेड बनाया है। 31 जनवरी 2026 के आदेश में कोर्ट को बताया गया था कि वित्तीय वर्ष

1585 मामलों के लिए मांग गए थे 55.31 करोड़

अक्टूबर 2025 की सुनवाई में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बताया गया था कि अगस्त 2025 तक तकरीबन 31 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि वितरित किया जाना लंबित था। इससे पहले राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया था कि मार्च 2025 में 1585 स्वीकृत मामलों में मुआवजा वितरण के लिए 55 करोड़ रुपए के अतिरिक्त बजट आवंटन का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजे जाने की जानकारी कोर्ट को दी गई थी।

आज से शुरू होगा राज्यव्यापी 'साक्षरता पखवाड़ा' ऐप के जरिए स्वयंसेवी शिक्षकों का पंजीयन

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत छत्तीसगढ़ में 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षर वयस्कों को शिक्षित और सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' इसी क्रम में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितंबर के उपलक्ष्य में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 1 से 15 सितंबर तक पूरे प्रदेश में 15 दिवसीय राज्यव्यापी 'साक्षरता पखवाड़ा' आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रोत सिंह ने इस संबंध में समस्त जिला कलेक्टरों एवं जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्षों को विस्तृत कार्ययोजना भेजकर जिले में व्यापक जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। साक्षरता पखवाड़ा की शुरुआत 1

बिरगांव में महापौर के लिए महिला सीट आरक्षित पत्नी को लड़ाने प्रतिनिधियों की कवायद शुरू

रायपुर। बिरगांव नगर निगम में एक बार फिर महिला महापौर के लिए सीट आरक्षित किए जाने से चुनौती हलचल तेज होने लगी है। वार्डों में कांग्रेस और भाजपा महिला प्रत्याशियों के नामों को लेकर सरगमी भी शुरू हो गई है।

यह पहला चुनाव होगा, जिसमें जहां निगम की पहली महिला महापौर रही अंबिका यदु ताल ठोकने की तैयारी में हैं। वहीं वर्तमान महापौर नंदलाल देवांगन की पत्नी लता देवांगन और नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू की

पत्नी पद्मावती साहू भी चुनौती मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। बिरगांव नगर पालिका परिषद बनने के बाद 2003 से 2014 के बीच परिषद में अध्यक्ष पद पर पुरुषों का कब्जा रहा। 2014 में आबादी और वार्डों की संख्या बढ़ने से नगर निगम का दर्जा मिला। इसके बाद पहला निगम चुनाव 2015 में हुआ, इसमें पहली बार महापौर का चुनाव जनता ने करते हुए भाजपा पर भरोसा जताते हुए अंबिका यदु को विजय दिलाई।

अंतर्द्वंद्व में फंसेगी भाजपा, यहां कई चेहरे इस चुनाव से पहले बिरगांव निगम के वर्तमान नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू अपनी पत्नी पद्मावती साहू चुनाव मैदान में उतरने का मन बना चुके हैं। सूत्रों की माने तो वर्तमान ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू का करीबी होने का फायदा पद्मावती ओमप्रकाश साहू को मिल सकता है। अगर सच की बात तो पूर्व महापौर अंबिका यदु और पूर्व महिला आयोग की सदस्य पद्म चंद्राकर भी भाजपा की दमदार उम्मीदवार हो सकती हैं। इस बार भाजपा में स्मोकरण बैठाने के चक्कर में अंतर्द्वंद्व की स्थिति भी बनने वाली है। 40 वार्डों में पार्षद प्रत्याशियों की बाढ़ भी आने वाली है, क्योंकि जिन वार्डों को महिला आरक्षित किया गया है, वहां से वर्तमान पार्षद अपनी पत्नी को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी में हैं।

शपथ पत्र में बताना होगा कितनी राशि जारी

हाईकोर्ट ने सक्षम अधिकारी को व्यक्तिगत शपथ पत्र दाखिल कर स्पष्ट रूप से बताने की कहा है कि 37.07 करोड़ रुपए की लंबित राशि जारी करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। इस बीच कितनी राशि जारी हुई है और कितने मामलों में पीड़ितों को मुआवजा वितरित किया गया है। अधिकारी को शेष राशि कब तक जारी कर पात्र पीड़ितों को भुगतान किया जाएगा। इसका समयबद्ध विवरण भी देना होगा। याचिका की अगली सुनवाई के लिए डिवीजन बेंच ने 23 सितंबर की तिथि तय की है।

2025-26 के अनुपूर्क बजट में 20 करोड़ रुपए स्वीकृत कर जारी किए गए हैं। इसके बाद 15 अप्रैल की सुनवाई में राज्य ने बताया कि साक्षी, पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 86 करोड़ रुपए की मांग की गई है। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 की 33 करोड़ रुपए की बकाया राशि भी शामिल थी। गृह विभाग ने वित्त विभाग से तत्काल 50 करोड़ रुपए के आवंटन की मांग की थी। कोर्ट ने तब भी मुआवजा वितरण में तेजी लाने की अपेक्षा जताई थी।

शिक्षक दिवस काउंटडाउन- 1 सितंबर



गुरुवः सर्वश्रेष्ठा भवन्ति ज्ञानदायिनः।
तेषां वन्दनमेकाग्रं कुर्यात्भक्त्या सदा नरः॥

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = **₹116921/-**
(75.00%)

22 कैरेट रेट = **₹142800/-**
(91.60%)

24 कैरेट रेट = **₹155879/-**
(99.99%)

Live Rate आनंद ज्वेलर्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

anand
Jewellers
Pandri, Raipur

167 स्कूलों में शुरु कराई स्मार्ट कक्षाएं, आधा खर्च उठाया और लगवा दी टीवी, बचत की आदत डालने बांटे गुल्लक

यशवंत साहू ►► धमतरी

मगरलोट विकासखंड के शासकीय माध्यमिक शाला लुगे में पदस्थ शिक्षक रंजीता साहू ने शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकार और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर अलग पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियों को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन ने इस वर्ष उन्हें राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित किया है। राज्यपाल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर राजधानी में रंजीता साहू को सम्मानित करेंगे। पति तुमनचंद साहू के साथ मिलकर उन्होंने विभिन्न अभियानों के माध्यम से विद्यार्थियों, ग्रामीणों और विद्यालयों को निरंतर सहयोग दिया है। ►►शेष पेज 4 पर

समर्पण को अर्पण

शिक्षक दिवस: ज्ञान के दीप, जीवन की दिशा

हरिभूमि

इस साल अलंकृत की जा रही है विभूषित...

अनुकरणीय प्रयास

एक शिक्षक मित्रों के बिना का रूप नहीं देता, वह जीवन को समझने की राह को देता है। अपने मनोरंजन और अलग-अलग रूपों से विद्यार्थियों को प्रेरित करता है। इनमें से जीवन को बेहतर बनाने वाले उन सभी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना है। जिन्होंने विद्यालय के साथ जीवन की अमूल्य शिक्षा को समझने को सहायता दी। हरिभूमि इसके अनुकरणीय और प्रेरक प्रयासों को विशेष रूप से ला रहा है, जिससे हमारे को प्रेरित करने वाली शिक्षा का प्रसार होगा। हमें। शुक्राब्दा आज से।

राज्य स्तरीय पुरस्कार से इतर भी सम्माननीय शिक्षक...
अनुरोध: अपनी विवेचना प्रस्ताव और प्रमाणिकता सौच साझा करें।
हरिभूमि इसे 5 सितंबर, शिक्षक दिवस पर प्रकाशित करेगा।

हरिभूमि कास्टिंग / ईमेल
62687 47629 | अंतिम तिथि: 4 सितंबर

पोषण और पर्यावरण संरक्षण पर जोर

शिक्षक रंजीता साहू ने आदिवासी और वनांचल क्षेत्र के 205 से अधिक विद्यालयों में व्यापक भोजन का आयोजन कराया। पर्यावरण संरक्षण के लिए 3 हजार चंदन के पौधे, 1,100 पपीते के पौधे तथा 10 हजार काली हल्दी, नारियल, चंदन और अन्य पौधे नि:शुल्क वितरित किए। अपने खेत में 1,100 से अधिक फलदार वृक्ष लगाकर जैव विविधता को बढ़ावा दिया। करीब 25,800 किलो अमरुद विद्यार्थियों और ग्रामीणों को नि:शुल्क बांटे।

स्मार्ट शिक्षा से बदली स्कूलों की तस्वीर

रंजीता ने सामुदायिक सहभागिता से अब तक 167 विद्यालयों में स्मार्ट टीवी लगवाकर स्मार्ट कक्षाओं की शुरुआत कराई। इसमें 50 प्रतिशत राशि स्वयं और 50 प्रतिशत राशि समुदाय द्वारा वहन की गई। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने विद्यालय में व्हाइट बोर्ड लगवाने के साथ संकुल के विद्यालयों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिए 65 ट्यूब लाइट भी लगवाई गई। 300 से अधिक विद्यालयों में स्वयं निर्मित गणित एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित शैक्षणिक चार्ट और फ्लैक्स नि:शुल्क बांटे। अब तक 11 हजार से अधिक विद्यार्थियों को पेन तथा जर्नलमंद बच्चों को कॉपी, पुस्तकें, ड्राइंग और प्रोजेक्ट सामग्री उन्होंने उपलब्ध कराई है।



स्कूल को बनाया स्मार्ट, पढ़ाई ऐसी कि निजी विद्यालय के बच्चे भी आ गए

धमतरी जिले के ही शासकीय प्राथमिक शाला धौराभाठा के प्रधानपाठक लीलाराम साहू को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्यों के लिए 5 सितंबर को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। उन्होंने नवाचारी शिक्षण, स्मार्ट क्लास, जनसहभागिता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए कार्यों से सरकारी स्कूल की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 16 जून 2005 को शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए लीलाराम साहू ने पूर्व पदस्थ शाला उन्नत प्राथमिक शाला मुडुपार, प्राथमिक शाला तरसीवा और वर्तमान शाला धौराभाठा में स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए। व्यवहारिक एवं नवाचारी शिक्षण से विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। धौराभाठा स्कूल में दर्ज संख्या 28 से बढ़कर 125 ►►शेष पेज 4 पर



23 बच्चे नवोदय, एकलव्य और जवाहर उत्कर्ष में चयनित

उनके मार्गदर्शन में अब तक 23 विद्यार्थियों का चयन नवोदय, एकलव्य और जवाहर उत्कर्ष विद्यालयों में हो चुका है। उन्होंने बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा के तहत सीमेंट गमला निर्माण भी सिखाया। उनके नवाचारी कार्यों को राज्य स्तर पर पढ़ई तुंहर दुआर के हमारे नायक, चर्चापत्र और शिक्षा के गौठ जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिला। उनके बच्चा टीएलएम को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला और राज्योत्सव में प्रदर्शित किया गया।

सोने-चांदी के कम ज्यादा होते दाम के कारण खर्च निकालने में थोड़ी हो रही परेशानी

100 करोड़ का शो रूम, महीने का खर्च 50 लाख, सोने-चांदी में उछाल-गिरावट ने कमाई का गणित भी बिगाड़ा



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

सोने और चांदी की कीमत के कारण प्रदेश के साथ राजधानी रायपुर में भी कारोबार प्रभावित हो रहा है। प्रदेश में सरफा में रोज का 50 से 60 करोड़ का कारोबार होता है। इसमें से आधे से ज्यादा कारोबार राजधानी रायपुर में होता है। राजधानी रायपुर में भी सबसे ज्यादा बड़े शोरूम हैं। रायपुर में तो बड़ी-बड़ी कंपनियों के भी शोरूम खुल गए हैं। इनका कारोबार भी बड़ा है।

सोने-चांदी के दामों में उछाल और गिरावट की वजह से सराफा कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में 50 से 100 करोड़ की लागत से कारोबार की शुरुआत करने वाले भव्य शो रूम को चलाना भी आसान नहीं रह गया है। इसके संचालन में ही हर माह 50 लाख तक खर्च आता है। ग्राहकों के ठिकठकने की वजह से लागत निकालकर प्राफिट कमाना मुश्किल से संभव हो पाता है। छोटे कारोबारी थोड़े ज्यादा परेशानी में हैं, क्योंकि इनका धंधा कम हो रहा है।

हर माह का खर्च भी भारी

एक शोरूम का हर माह का खर्च ही बड़ा है। 20 लोगों के स्टाफ और कारीगर वाले शोरूम की बात करें तो इसका खर्च हर माह का दस लाख हो जाता है। अगर दुकान किराए की है तो सहर बाजार जैसे क्षेत्र में तीन लाख रुपए तो किराया ही लग जाता है। इसके बाद स्टाफ और कारीगरों का वेतन छह से सात लाख और अन्य खर्च मिलाकर दस लाख का खर्च हर माह हो जाता है। 100 स्टाफ और कारीगरों वाले शोरूम की बात करें तो इनका वेतन ही 30 से 35 लाख हो जाता है। इसके अलावा बिजली का बिल, कंटीन और अन्य खर्च मिलाकर 40 से 50 लाख तक का खर्च हो जाता है।



खर्च निकालने में थोड़ी परेशानी

इस समय जिस तरह से सराफा बाजार में सोने और चांदी के भाव के कारण स्थिति है, ऐसे समय में बड़े शोरूम का खर्च निकालना इतना आसान नहीं है, लेकिन इसके बाद भी कारोबारी कहते हैं कि जैसे-तेैसे खर्च निकल जा रहा है। लेकिन अब पहले की तरह आसानी से खर्च नहीं निकल पा रहा है, यह भी कारोबारी मानते हैं।

जितना बड़ा शोरूम, उतनी ज्यादा लागत

एक बड़ा शोरूम खोलने के लिए कितना पैसा लगाना पड़ता है, इसकी जानकारी लेने के लिए जब सराफा कारोबारियों से संपर्क किया गया है, उन्होंने बताया इसकी कोई सीमा नहीं है। वैसे बड़ा शोरूम खोलने के लिए कम से कम 100 करोड़ तो लग ही जाते हैं। इसके आगे चाहे जितना लगा। एक जानकारी के मुताबिक राजधानी रायपुर में भी 100 से ज्यादा के करीब दौ दर्जन शोरूम हैं। 20 से 100 तक का स्टाफ और कारीगर

जितना बड़ा शोरूम रहता है उसके हिसाब से स्टाफ और कारीगर भी रखने पड़ते हैं। कम लागत के शोरूम में पांच से दस कारीगर और 10 से 20 लोग का स्टाफ रहता है। बड़े शोरूम में 50 से 70 लोगों का स्टाफ और 20 से 30 कारीगर रहते हैं। राजधानी में रायपुर में भी ऐसे शोरूम हैं जिनके पांच स्टाफ और कारीगर मिलाकर 20 से ज्यादा लोग काम करते हैं।

पूर्व डीईओ गंजीर को आय से अधिक संपत्ति मामले में चार साल कैद, जुर्माना भी

एसीबी व ईओडब्ल्यू ने 8.71 लाख नकद, लगभग 5 सौ ग्राम सोना 40 संपत्तियां व तीन मकानों से जुड़े दस्तावेज किए थे बरामद

दंतेवाड़ा कोर्ट में सुनवाई

एसीबी द्वारा आरोपी सुभाष गंजीर को गिरफ्तार करने के बाद मामला जिला एवं सत्र न्यायालय दंतेवाड़ा पहुंचा। कोर्ट में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 और 13 ई के तहत करण के का मामला दर्ज कर सुनवाई की गई। इसी मामले में दंतेवाड़ा विशेष न्यायालय ने एंटी करण ब्यूरो द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों, गवाहों और सबूतों को सही पाते हुए आरोपी को चार वर्ष की सश्रम सजा और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ममता शर्मा ने पैरवी की।



रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। वर्ष 2017 में एंटी करण ब्यूरो और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिलने पर दंतेवाड़ा के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष गंजीर के ठिकानों पर छापा मारा था। कार्रवाई के दौरान जांच एजेंसी ने 8.71 लाख रुपए नकद के अलावा ►►शेष पेज 4 पर

खनिजों में आत्मनिर्भरता से बदलेगा छत्तीसगढ़ का भविष्य : साय क्रिटिकल मिनरल्स से छत्तीसगढ़ में निवेश के नए दरवाजे खुले, 20 ब्लॉक्स की नीलामी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में खनिज संसाधनों के जरिए बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए रायपुर में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी को लेकर रोड शो किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, खनन विशेषज्ञ, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए। रोड शो में खनिजों की बढ़ती वैश्विक जरूरत, देश की खनिज सुरक्षा और छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, आज के तकनीकी दौर में क्रिटिकल मिनरल्स का महत्व लगातार बढ़ रहा है और कई मामलों में इनका महत्व सोने-चांदी से भी अधिक हो गया है। छत्तीसगढ़ के पांच क्रिटिकल मिनरल ब्लॉक्स प्रदेश को विकास ►►शेष पेज 4 पर



20 खनिज ब्लॉक्स की नीलामी

क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की नीलामी की 8वीं किस्त में देश के 7 राज्यों के कुल 20 खनिज ब्लॉक्स शामिल किए गए हैं। इनमें 3 माइनिंग लीज और 17 कंपोजिट लाइसेंस ब्लॉक हैं। इन ब्लॉक्स में ग्रेफाइट, रेयर अर्थ एलिमेंट्स, रेयर मेटल्स, वैनेडियम, गैलियम, टाइटेनियम, मोलिब्डेनम और टंगस्टन जैसे महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। इनका उपयोग रक्षा क्षेत्र, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा, एआई, डिजिटल टेक्नोलॉजी और एडवांस मेड्युफैक्टरिंग में किया जाता है।

क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में बड़ी संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख खनिज संपन्न राज्यों में है और अब क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भी प्रदेश बड़ा पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। कटघोरा और बस्तर में लिथियम एवं दुर्लभ मृदा तत्व, बलरामपुर में ग्रेफाइट, वैनेडियम एवं गैलियम, बालोदा में कार्बोनाइट तथा महासमुंद में ग्रेफाइट, कोयमिंग और गलाकोनाइट की संभावनाएं मौजूद हैं।

2025 मेंस एग्जाम, 265 पदों पर हो रही नियुक्ति पीएससी एग्जाम, 265 पदों के लिए 608 परीक्षार्थी देंगे इंटरव्यू

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 का रिजल्ट जारी कर दिया है। आयोग द्वारा जारी प्रेस नोट के मुताबिक मुख्य परीक्षा के परिणाम के आधार पर कुल 608 कैंडीडेट्स को इंटरव्यू के लिए चिन्हित किया गया है। यह भर्ती प्रक्रिया राज्य शासन के विभिन्न विभागों में 265 पदों पर नियुक्ति के लिए चल रही है। ►►शेष पेज 4 पर

6 से 9 जून तक हुई थी मेंस परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा में चयन अभ्यर्थियों के लिए राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 का आयोजन 6, 7, 8 और 9 जून 2026 को किया गया था। अब मुख्य परीक्षा के परिणाम के आधार पर वर्गवार और उपवर्गवार न्यूनतम अंकों की अंक हसिल करने वाले कैंडीडेट्स में से 608 को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। इससे पहले प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम के आधार पर 3,921 कैंडीडेट्स को मुख्य परीक्षा के लिए चिन्हित किया गया था।

परीक्षा लिए बगैर ही रविवि ने जारी कर दिए परिणाम...सभी छात्र पूरक श्रेणी में!

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर पं.रविशंकर शुक्ल विवि अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। गलत प्रश्नपत्र बांटे जाने, समय-सारिणी में रिकॉर्ड तोड़ परिवर्तन के बाद अब रविवि ने बगैर परीक्षा लिए ही परिणाम जारी कर दिए हैं। सभी छात्रों को पूरक की श्रेणी में रख गया है। मामला बीए द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर का है। छात्र पिछले एक महीने से रविवि के चक्कर लगा ►►शेष पेज 4 पर

मामला बीए द्वितीय वर्ष का, एक माह से चक्कर काट रहे विद्यार्थी



आरोप-प्रत्यारोप का दौर : शिकायत लेकर जब छात्र रविवि पहुंचे तो उन्हें कहा गया कि यह विषय शेड्यूल में ही नहीं था। महाविद्यालय द्वारा छात्रों को इकोनॉमिक्स हिस्ट्री पढ़ाई जानी थी, ना कि गनी बैकिंग। इसके बाद से छात्र सड़मे में हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन और महाविद्यालय प्रबंधन दोनों ही एच-टूस्तर पर दोषारोपण कर रहे हैं। छात्रों को जो अंक-सूची प्रदान की गई है, उसमें सभी बैकिंग के स्थान पर बीकॉम के एक विषय का जिक्र करते हुए उन्हें अनुत्तीर्ण बताया गया है।

मोदी बोले-बड़ी उपलब्धि, सीतारमण ने कहा- दिख रहे सुधारों के नतीजे

जीडीपी ने चौकाया, टैरिफ हो या जंग नहीं रुकेगा भारत

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

अमेरिका का टैरिफ वार और अमेरिका-ईरान का युद्ध भी भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार को रोक नहीं पाया है। इसका उदाहरण हैं, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट के आंकड़े। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अनुमान से बेहतर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह अमेरिका-ईरान युद्ध और इसकी वजह से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच घरेलू आर्थिक गतिविधियों की मजबूती को दर्शाता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया।



वैश्विक चुनौतियों के बावजूद बनी रही गति

मंत्रालय ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में वृद्धि की गति बहाल रखी है। मौजूदा कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 88.27 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले की समान अवधि में 80 लाख करोड़ रुपये था।

निराशावादी लोग गलत साबित : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, निराशावादी लोग गलत साबित हुए और भारत ने एक बार फिर तरक्की की। पीएम मोदी ने इन आंकड़ों का स्वागत किया। पीएम ने इसे ग्लोबल आर्थिक अनिश्चितताओं, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और सप्लाई-चेन में रुकावटों के बावजूद हासिल किया गया 'मिसाल' कायम करने वाला 'प्रदर्शन' बताया। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8% की शानदार जीडीपी ग्रोथ एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

देशवासियों की कड़ी मेहनत: सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय भारत के लोगों और उनकी कड़ी मेहनत को दिया। सीतारमण ने कहा, इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय भारत के लोगों और उनकी कड़ी मेहनत को जाता है। एनडीए सरकार की ओर से किए गए सुधार और अर्थव्यवस्था का कुशल प्रबंधन अच्छे नतीजे दे रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने सभी नागरिकों के लिए आर्थिक अवसर बढ़ाने प्रतिबद्ध है।

चिंतन

बाहरी दबाव के बीच विकास की रफ्तार

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंदराती अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहना इस बात का संकेत है कि बाहरी झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की आंतरिक ताकत बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस अवधि में सात प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया था। उससे अधिक की वृद्धि ने न केवल आर्थिक गतिविधियों की मजबूती दिखाई है, बल्कि यह भी साबित किया है कि घरेलू मांग अभी दबाव में पूरी तरह नहीं आई है। वित्तीय सेवाओं, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं में दो अंकों से अधिक की वृद्धि ने इस विस्तार को गति दी है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अनिश्चितता के बीच मांग और निवेश को कैसे बनाए रखा जाए। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद की बढ़ती अर्थव्यवस्था के अनुरूप आवश्यक कदम हैं। पिछले आधार वर्ष के समय देश की आर्थिक संरचना और आज की अर्थव्यवस्था में बड़ा अंतर है। डिजिटल कारोबार, ऑनलाइन सेवाएं, नई तकनीक, बदलते उपभोग के तौर-तरीके और नए रोजगार स्वरूप आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में नए आधार वर्ष और व्यापक आंकड़ों के जरिए अर्थव्यवस्था को मापने का प्रयास आंकड़ों को अधिक प्रासंगिक बना सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और आंकड़ों की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण होनी चाहिए। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर काफी निर्भर है। कच्चा तेल महंगा होने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है और उसका असर अंततः वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतों पर पड़ता है। महंगाई बढ़ने पर परिवारों के पास गैर-जरूरी खर्च के लिए कम पैसा बचता है। इससे मांग प्रभावित हो सकती है और कंपनियों के लाभ पर भी दबाव बढ़ सकता है। इसलिए पहली तिमाही की मजबूत वृद्धि को अपने वाली तिमाहियों में बनाए रखना आसान नहीं होगा। सरकार को बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखने के साथ निजी निवेश को गति देनी होगी। रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती और छोटे तथा मध्यम कारोबारों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना भी जरूरी है। भारत के लिए 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर को आर्थिक उपलब्धता का अंतिम प्रमाण मानना भूल होगी। असली परीक्षा यह होगी कि विकास की यह रफ्तार कितनी टिकाऊ रहती है और उसका लाभ कितने लोगों तक पहुंचता है। तेज विकास के साथ महंगाई नियंत्रण में रहे, रोजगार बढ़े, ग्रामीण मांग मजबूत हो और आम परिवार की आय में सुधार आए, तभी जीडीपी की ऊंची दर को वास्तविक आर्थिक समृद्धि माना जाएगा। बाहरी संकटों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। वैश्विक परिस्थितियां भारत के नियंत्रण में नहीं हैं, लेकिन घरेलू मांग, निवेश, रोजगार और आर्थिक सुधारों को मजबूत करना पूरी तरह देश के हाथ में है। पहली तिमाही की रफ्तार ने उम्मीद जगाई है, अब चुनौती इसे टिकाऊ, संतुलित और आम आदमी तक पहुंचने वाले विकास में बदलने की है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह बाल मुकुन्द ओझा



50 करोड़ लोगों की पहुंच से बाहर है पौष्टिक आहार

देश में हर वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष पोषण सप्ताह की थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखी गई है। इस थीम का मुख्य उद्देश्य लोगों को पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरी तरह से वाले संतुलित और विविध आहार को बढ़ावा देने पर केंद्रित कराना है। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2025 तक करीब 49.5 करोड़ लोग पौष्टिक भोजन खरीदने में सक्षम नहीं हैं। हालांकि 2017 की तुलना में 32 करोड़ लोगों की स्थिति में सुधार हुआ है, फिर भी भारत दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है। रिपोर्ट में महंगाई, कमजोर सप्लाई सिस्टम और जलवायु परिवर्तन को प्रमुख कारण बताते हुए सरकारों को पौष्टिक भोजन सस्ता और सुलभ बनाने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत आम लोगों को पौष्टिक आहार के बारे में जागरूक किया जाता है, ताकि शरीर में पोषण की पूर्ति को बढ़ावा दिया जा सके और बीमारियों का खतरा कम किया जा सके। आज दुनियाभर में खानपान को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो रहा है। क्या खायें और क्या न खायें, इस पर बहस चल रही है। स्वास्थ्य एवं पोषण का होना किसी भी मानव के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। स्वस्थ रखने के लिए शरीर को पोषक आहार की आवश्यकता पड़ती है। पोषण आहार स्वस्थ के लिए बेहद ही जरूरी होता है। पोषण युक्त चीजें खाने से शरीर को जरूरी तत्व मिल जाते हैं और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है। इसलिए अपनी डाइट में केवल पोषण आहार को ही शामिल करें और वही चीजें खाएं जो कि पोषण से युक्त हो। हर व्यक्ति के लिए पूर्ण पौष्टिक आहार जरूरी होता है, क्योंकि जरूरी पोषक तत्वों की कमी होने से शरीर ना सिर्फ कमजोर हो सकता है बल्कि बीमारियों का घर बन सकता है। पौष्टिक आहार को लेकर दुनिया में व्यापक हलचल मची है। आहार मनुष्य की सर्वाधिक महत्वपूर्ण आधारभूत आवश्यकता है, जिसके बिना कोई भी प्राणी जीवन की कल्पना नहीं कर सकता है। दुनिया में प्रचुर खाद्यान्न उत्पादन होने के बावजूद लोगों के लिए स्वास्थ्यपरक आहार आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हमारे शरीर को पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए पोषक पदार्थों की जरूरत होती है। ये पोषक पदार्थ अलग-अलग तरह के भोजन से हमें मिलते हैं, यानि ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां, सूखे मेवे, डेयरी उत्पाद और मीट वगैरह आदि। शारीरिक श्रम करना, सोना और आराम करने की तरह ही संतुलित और पौष्टिक आहार लेना भी जरूरी है। भोजन का मतलब यह नहीं होता कि आप कुछ भी खा रहे हैं। ऐसा भोजन करें जो स्वच्छ और पोषण तत्वों से भरपूर हो। इससे न सिर्फ हम बीमारियों से दूर रहते हैं, बल्कि शारीरिक विकास भी अच्छी तरह होता है। संतुलित आहार के अनेक फायदे नहीं हैं, जैसे आप के शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और अच्छी नींद को बढ़ावा भी देता है। संतुलित आहार शरीर में वसा कम करता है, साथ ही शरीर को अच्छे से काम करने के लिए प्रेरित करता है। शरीर के लिए आवश्यक संतुलित आहार लंबे समय तक नहीं मिलना ही कुपोषण है। हमारे देश में गरीबी एवं अज्ञानता के कारण भोजन में पोषक तत्वों की कमी रहती है। इन्हीं कारणों से बच्चों में कुपोषण एवं वयस्कों में कई विकार उत्पन्न होते हैं। आहार में कार्बोज, प्रोटीन, वसा, खनिज लवण एवं विटामिन विद्यमान हो, तभी व्यक्ति की शारीरिक वृद्धि एवं विकास होगा। इस प्रकार के आहार में जल एवं फाइबर की भी पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए। नाश्ते में अंकुरित अनाज यानी मूंग, चना और सोयाबीन को अंकुरित खाएं। ऐसा करने से उनमें मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है। मौसमी हरी सब्जियों को डाइट में शामिल करें। अधिक फैट वाला दूध, बटर तथा पनीर लेने से बचें। जंकफूड से बचना होगा और पोषक आहार अपनाना होगा, तभी मोटापे जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रागति की है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे वंचित रहने में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है, ये उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा आमकार चौधरी

लोकतंत्र में सरकार का विरोध निसंदेह अधिकार है । प्रधानमंत्री की आलोचना की जा सकती है, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वैचारिक असहमति रखी जा सकती है और संसद के भीतर सरकार को कठघरे में खड़ा करना तो विपक्ष का संवैधानिक दायित्व भी है, लेकिन यदि राष्ट्रीय प्रतीकों, संवैधानिक संस्थाओं और स्वयं भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को लगातार निशाने पर लिया जाने लगे तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि राजनीतिक विरोध की सीमा आखिर कहां समाप्त होती है? युवाओं के असंतोष को सत्ता परिवर्तन की सड़क–राजनीति की दिशा देना गंभीर चिंता का विषय है । भारत में सरकारें मतपत्र से बनती और बदलती हैं, अराजक भीड़ की ताकत से नहीं ।

व्यक्ति को कैसे मिल सकती है दुखों से मुक्ति

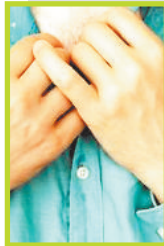
छठी शताब्दी ईसा पूर्व में संपूर्ण विश्व दर्शन के नए क्षितिज स्पर्श कर रहा था। चीन में कन्फ्यूशियस और लाओत्से, ईरान में जश्त्रुख, यूनान में पाइथागोरस नए तर्क गढ़ रहे थे तो भारत में महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध वैदिक दर्शन को नया आयाम देने में लगे थे। गौतम बुद्ध ने बताया कि जन्म से लेकर मृत्यु तक संपूर्ण जीवन दुःखमय है। मृत्यु भी दुःख का अंत नहीं है, बल्कि नए दुःख का आरंभ है, क्योंकि मृत्यु के बाद भी पुनर्जन्म होता है। उनका मानना था कि प्राणी को इच्छा अर्पण रहती है तो पुनर्जन्म लेना पड़ता है। बुद्ध अनात्मवादी और अनीश्वरवादी तो थे, किंतु भौतिकवादी नहीं थे। उनका मत है कि सृष्टि में जो कुछ है वह क्षणिक है, परिवर्तनशील है। द्वितीय आर्य सत्य है कि प्रत्येक कार्य का कारण अवश्य होता है, जिसे बुद्ध ने प्रतीत्यसमुत्पाद कहा। इस दुःख के कारणता सिद्धांत को द्वावश निदान चक्र भी कहा जाता है। इस दुःख का मूलभूत कारण अविद्या है। अविद्या से संस्कार या पूर्व में किए गए कर्मों की प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। संस्कार से विज्ञान, विज्ञान से नामरूप, नामरूप से षडायतन, षडायतन से स्पर्श, स्पर्श से वेदना, वेदना से तृष्णा, तृष्णा से उपादान, उपादान से भव, भव से जाति, जाति या जन्म से जरा-मरण का दुःख भोगना पड़ता है। बौद्ध दर्शन का तृतीय आर्यसत्य दुःख-निरोध है। दुःखों के मूल कारण अविद्या को दूर करके इसी जीवन में दुःखों का अंत किया जा सकता है। दुःखों का निरोध ही निर्वाण है।



करंट अफेयर

ट्रंप तीसरे कार्यकाल के लिए दे रहे हैं मिले-जुले संकेत

अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने की इच्छा कई बार जता चुके डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों से अब यह संकेत मिलने लगा है कि वह खुद भी इसकी संभावना को लेकर आश्वस्त नहीं हैं । रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने अपने हालिया भाषणों में जनवरी 2029 में अपना कार्यकाल खत्म होने के बाद की जिंदगी का जिक्र करते हुए कहा कि वह घर पर बैठकर यह देखते हुए परेशान होंगे कि उनका उत्तराधिकारी उनकी उपलब्धियों का श्रेय ले रहा है । ट्रंप ने इस महीने न्यूयॉर्क के लॉग आइलैंड में एक कार्यक्रम में कहा, ‘आपका अगला राष्ट्रपति कहेगा, ‘मैंने कितना शानदार काम किया है ।’ किसी मौजूदा राष्ट्रपति का अपने पूर्व राष्ट्रपति बनने की बात करना राजनीतिक रूप से हमेशा संवेदनशील होता है लेकिन मध्यावधि चुनाव में अब केवल नौ सप्ताह बाकी है और ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के उस दौर में पहुंच रहे हैं, जब इस बात की चर्चा बढ़ेगी कि उनका प्रभाव अब जल्द ही समाप्त हो जाएगा। अपने बिना ‘काइंट हाउस’ (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की कल्पना करने की बात रखना ट्रंप के रुख में एक उल्लेखनीय बदलाव है ।



आप लीवर की बीमारी की ओर बढ़ सकते हैं । यदि किसी व्यक्ति की सांस की हवा में मीठापन या फलों की गंध होती थी, तो चिकित्सकों का निष्कर्ष होता था कि पाचन तंत्र में शर्करा टूट नहीं रही है, और उस व्यक्ति को संभवतः मधुमेह है । विज्ञान ने तब से दिखाया है कि प्राचीन यूनानी सही थे – जिगर की फिफलता और मधुमेह तथा संक्रामक रोगों सहित कई अन्य बीमारियाँ आपकी सांसों को एक विशिष्ट गंध देती हैं। 1971 में, नोबेल पुरस्कार विजेता रसायनज्ञ लिनुस पॉलिंग ने सांस में 250 विभिन्न गैसीय रसायनों की गिनती की ।

आधार लिया गया। ऐतिहासिक तर्क अपनी जगह हो सकता है, लेकिन सवाल यह है कि 1937 की परिस्थितियों में लिया गया निर्णय 2026 के भारत पर हमेशा के लिए क्यों लागू रहना चाहिए? वंदे मातरम् भाजपा का गीत नहीं है और न नरेंद्र मोदी ने इसकी रचना की है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की यह रचना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा बनी, क्रांतिकारियों की जुबान पर रही और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध भारतीय प्रतिरोध का उद्घोष बनी। ऐसे राष्ट्रीय गीत के सभी छह अंतरे गाने की बात पर यदि उत्तर यह हो कि हम तो दो ही गाएंगे और कुछ ही दिनों बाद विदेश की धरती

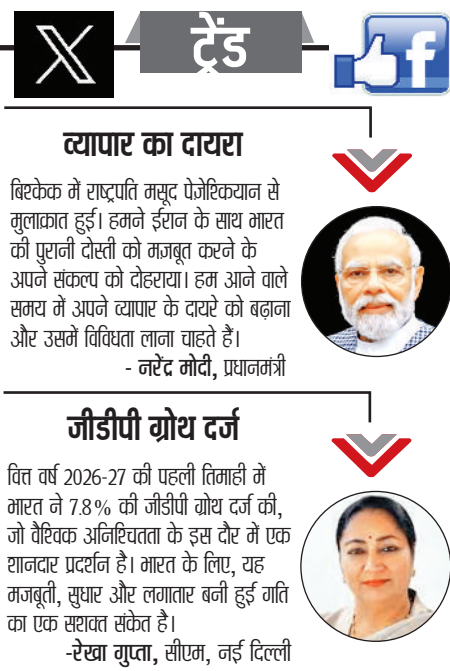


पर तिरंगे का अपमान हो तथा उस पर वैसेी राजनीतिक मुखरता दिखाई न दे, तो राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति राजनीतिक दृष्टिकोण पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। राजनीतिक मतभेद कितने भी गंभीर क्यों न हों, क्या स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय समारोह को भी सत्ता और विपक्ष की रोजमर्रा की राजनीतिक लड़ाई में खींच देना उचित है? सरकार से लड़िए, प्रधानमंत्री की नीतियों का विरोध कीजिए, संसद में उन्हें घेरिए और चुनाव में पराजित करने का प्रयास कीजिए, लेकिन लाल किले की प्राचीर और स्वतंत्रता दिवस किसी राजनीतिक दल के नहीं हैं।

संसद के भीतर भी पिछले कुछ समय से ऐसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं जो इसी चिंता को गहरा करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष को चुनौती देना, उनके खिलाफ प्रस्ताव लाना और पीठ के निर्णयों को राजनीतिक पक्षधरता के रूप में प्रस्तुत करना एक तरफ है, तो राज्यसभा के सभापति के सामने बार-बार ऐसी अपमानजनक परिस्थितियां पैदा करना दूसरी तरफ, जिनसे सदन की गरिमा प्रभावित होती है। लोकसभा के भीतर राहुल गांधी द्वारा स्वयं अपना माइक्रोफोन बंद करने और उसके बाद यह कहने का दृश्य सामने आया कि

शनिदेव को पिप्पलाद मुनि ने दिया शाप

पुराने समय में वृत्तासुर नाम के एक असुर का आतंक बढ़ गया था। इस असुर को सभी देवता पराजित नहीं कर पा रहे थे। उस समय दधिचि ऋषि ने देवताओं से कहा कि मेरे शरीर की हड्डियों से आप वज्र नाम का शस्त्र बनाइए और उस वज्र से वृत्तासुर का अंत हो जाएगा। देवताओं की भलाई के लिए दधिचि ऋषि ने अपनी देह त्याग दी और बाद में देवताओं ने ऋषि की हड्डियों से वज्र बनाया। देवराज इंद्र ने इस वज्र से असुरों को पराजित कर दिया। दधिचि मुनि के पुत्र का नाम पिप्पलाद था। दधिचि के पुत्र का जन्म पीपल के नीचे हुआ था, इस कारण इस बच्चे का नाम पिप्पलाद रखा गया। बच्चे के जन्म से पहले ही दधिचि की मृत्यु हो गई थी। जब पिप्पलाद बड़े हुए तो उन्होंने देवताओं से पूछा कि मेरे पिता की इतनी जल्दी मृत्यु कैसे हो गई। उस समय उन्हें मालूम हुआ कि शनि की अशुभ दृष्टि की वजह से दधिचि मुनि की मृत्यु का योग बना है। वे बड़े तपस्वी थे। जब उन्हें मालूम हुआ कि शनि के कारण उनके पिता की जल्दी मृत्यु हुई तो उन्होंने शनि को ग्रह मंडल से हटने का शाप दे दिया। शाप के असर से शनि ग्रह मंडल से हटने लगे तो सभी देवताओं ने पिप्पलाद मुनि से अपना शाप वापस लेने की प्रार्थना की। देवताओं की प्रार्थना से पिप्पलाद मुनि ने शनि को क्षमा कर दिया, लेकिन उन्होंने से शनि से कहा कि अब से किसी बच्चे को 16 वर्ष की उम्र तक शनि दोष का सामना न करना पड़े, शनि बच्चों पर अशुभ दृष्टि नहीं डालेंगे।



व्यापार का दायरा
बिस्केक ने राष्ट्रपति नसूद पेजेरिचिक्का से मुलाकात हुई। हमने ईरान के साथ भारत की पुरानी दोस्ती को मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। हम आने वाले समय में अपने व्यापार के दायरे को बढ़ाना और उसमें विविधता लाना चाहते हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीडीपी ग्रोथ दर्ज
वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8% की जीडीपी ग्रोथ दर्ज की, जो वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में एक शानदार प्रदर्शन है। आगत के लिए, यह मजबूती, सुधार और लगातार बनी हुई गति का एक सशक्त संकेत है।
-रेखा गुप्ता, सीएन, नई दिल्ली

चुनाव आयोग
एसआईआर के तहत दिल्ली के लिए वोट लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया गया है। 1.5 करोड़ में से 47 लाख वोटों के नाम इसमें नहीं हैं। भारत सरकार आबादी को लेकर बेतजह परेशान है। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग हमारे देश की आबादी को 140 करोड़ से घटकर 50 करोड़ कर देगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

तानाशाही की पराकाष्ठा
कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के साथ होने वाले छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना बीजेपी के अहंकार और तानाशाही की पराकाष्ठा है। बीजेपी दलितों के खिलाफ छुआछूत को जारी रखना चाहती है।
- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फ़ोन : 041050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल : haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

विचार हरिभूमि

‘काँकरोच’ के आगे नरम पड़ी सरकार!

नीट प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा केंद्र

केंद्र सरकार ने दिल्ली समेत कई राज्यों में नीट परीक्षा पेपर लीक के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान कथित हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सरकार का कहना है कि कई मामलों में छात्रों और उनके परिवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिन्हें असाधारण परिस्थितियों में निरस्त किया जाना चाहिए।

एजेसी>>>नई दिल्ली

सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस याचिका का उल्लेख किया। उन्होंने अदालत से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की और कहा कि केंद्र संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय की असाधारण शक्तियों का प्रयोग कर इन एफआईआर को रद्द करने का अनुरोध कर रहा है।

इस अनुच्छेद के तहत अदालत पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश पारित कर सकती है। केंद्र की याचिका में कहा गया है कि नीट पेपर लीक

- सर्वोच्च न्यायालय से बोली सरकार - आर्टिकल 142 का कीजिए इस्तेमाल
- इधर, सीजेपी ने सरकार के रवैये पर साधा निशाना



को लेकर छात्रों और अभिभावकों में व्यापक आक्रोश था। प्रदर्शनों के दौरान कुछ स्थानों पर तनाव बढ़ा और पुलिस के साथ झड़पें हुईं।

इसके बाद दिल्ली और अन्य राज्यों में कई एफआईआर दर्ज की गईं। सरकार का

पक्ष है कि बड़ी संख्या में युवा छात्रों के भविष्य पर इन मामलों का असर पड़ सकता है, इसलिए अदालत को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखकर एफआईआर रद्द करनी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 1 सितंबर को तय की गई है।

सीजेपी ने किया 5 सितंबर को बड़े विरोध मार्च का ऐलान

इस बीच, काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सरकार के रुख पर तीखा हमला बोला है। सीजेपी का आरोप है कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों को दिए गए आश्वासन पूरे नहीं किए। सीजेपी ने 5 सितंबर को दिल्ली में बड़े विरोध मार्च की घोषणा की है। यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक निकलेगा। पार्टी के अनुसार, इस मार्च में नीट पेपर लीक से प्रभावित छात्रों के परिवार, अभिभावक और वे लोग शामिल होंगे जो पुलिस बर्बरता और अत्यधिक बल प्रयोग का आरोप लगा रहे हैं। सीजेपी का कहना है कि सरकार एक ओर अदालत में एफआईआर रद्द कराने की बात कर रही है, दूसरी ओर जमीन पर प्रदर्शनकारियों की मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। पार्टी ने मार्च को शांतिपूर्ण रखने का दावा किया है, लेकिन दिल्ली पुलिस से पर्याप्त सुरक्षा और अनुमति सुनिश्चित करने की मांग भी की है।

मार्च पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने भी काँकरोच जनता पार्टी के मार्च पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया है। भारत के चीफ जस्टिस सुर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि उनके सामने ऐसे कोई हालात नहीं हैं कि वो उन्हें मार्च करने से रोक सकें। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों पर ये फैसला छोड़ दिया है कि मार्च निकाला जा सकता है या नहीं और अगर निकाला जाता है तो उसकी शर्तें क्या होंगी। बेंच ने कहा- हमारे पास शक करने की कोई वजह नहीं है कि हर कोई शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से व्यवहार करेगा, अभी हमारे सामने ऐसा कुछ मानने या सोचने की कोई ठोस वजह नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मार्च के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के बारे में फैसला केंद्र और दिल्ली सरकार को लेना है।

छात्रों के हितों का दिया हवाला याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई प्रदर्शनकारियों पर सार्वजनिक संपत्ति क्षति, हिंसा भड़काने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने जैसे आरोप लगे हैं। केंद्र का तर्क है कि जांच एजेंसियों ने कुछ मामलों में कार्रवाई की, लेकिन समग्र स्थिति को देखते हुए अदालती हस्तक्षेप जरूरी है। सॉलिडिटर जनरल ने पीठ के समक्ष मामले की गंभीरता और छात्रों के हितों का हवाला देते हुए शीघ्र सुनवाई पर जोर दिया।

‘वार्ता-कूटनीति के जरिये हो संघर्ष का समाधान’

बिश्केक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से कहा कि भारत आने वाले समय में ईरान के साथ व्यापार का दायरा ‘बढ़ाना और उसमें विविधता लाना’ चाहता है। मोदी ने वार्ता एवं कूटनीति के जरिये पश्चिम एशिया संघर्ष के समाधान की भी अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर पेजेशकियान के साथ बैठक की। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, ‘बिश्केक में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मुलाकात हुई। ईरान के साथ भारत की पुरानी दोस्ती को विभिन्न क्षेत्रों में और मजबूत करने के हमारे संकल्प को दोहराया।’ मोदी ने कहा, ‘हम आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार के दायरे को विस्तारित करना और उसमें विविधता लाना चाहते हैं।’



ईरान ने की समर्थन की सराहना मोदी और पेजेशकियान की मुलाकात के बारे में ईरान की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि ईरान के राष्ट्रपति ने हालिया युद्ध के दौरान ईरान को नयी दिल्ली से मिले समर्थन और सहयोग के लिए ‘सराहना की तथा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा कायम करने के लिए कूटनीतिक कोशिशों को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया। पेजेशकियान ने कहा, ‘दुर्भाग्य से, कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करने के बजाय, अमेरिकियों ने युद्ध, असुरक्षा और जबरदस्ती अपनी मर्जी थोपने का रास्ता चुना है।’ पेजेशकियान ने कहा, ‘हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लोगों को खतरे और असुरक्षा से बचाए और उनके हित शांति, सुकून और सुरक्षा पाने के लिए जरूरी हालात बनाएं।’

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, रायपुर (छ.ग.)
नगर घडी चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001,
ई मेल ats-raipur@cg.gov.in

शासकीय सूचना

दिनांक 27/08/2026

संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन छत्तीसगढ़ के पत्र क्र. 3750 दिनांक 17.11.2021 द्वारा प्रदत्त अनुमति अनुसार आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र नवंबर 2026 से फरवरी 2027 के लिये दिनांक 01 सितंबर 2026 से 30 सितंबर 2026 के मध्य की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगे। संबंधित कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रेषित निर्धारित प्रपत्र में, कार्यालय संचालक कोष एवं लेखा के दिशा निर्देश पत्र क्रं/ सं/सं/5/89/50/भोपाल दिनांक 22.07.89 की कंडिका 6 के अनुसार 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के आवेदन पत्र शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, नगर घडी चौक रायपुर को दिनांक 30 सितंबर 2026 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए। (लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर) इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। विज्ञप्ति के साथ संलग्न (छायाप्रति स्वीकार्य) मानक आवेदन पत्र पर ही आवेदन स्वीकार किये जायेंगे। आवेदन जिस सत्र के प्रशिक्षण हेतु किया गया है, उस सत्र के लिये ही मान्य होगा। पूर्व प्रचलित आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

प्राचार्य
शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला
रायपुर (छ.ग.)
जी. 262703014/1

अमेरिका ने एक महीने बाद फिर किया ईरान पर हमला

एजेसी>>>वाशिंगटन

होर्मुज स्ट्रेट में एक सुपर टैंकर दो समुद्री माइंस से टकरा गया। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुताबिक, टकराने के बाद टैंकर में भीषण आग लग गई और वह पूरी तरह रुक गया। ईरान ने जहाज का नाम और चालक दल की संख्या नहीं बताई है। आईआरजीसी ने कहा कि टैंकर बिना अनुमति वाले समुद्री रास्ते से गुजर रहा था। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में अपने तय सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वाले दूसरे जहाजों को भी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस बीच अमेरिका ने करीब एक महीने बाद ईरान पर फिर सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना ने रविवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया।

ईरान का जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर जवाबी हमला

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने जॉर्डन में दो अमेरिकी एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों दागने का दावा किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, मिसाइलों को अमेरिकी एयरबेस के तकनीकी और मटेनेंस इफास्ट्रक्चर तथा लड़कू विमानों की तैनाती वाले क्षेत्रों को निशाना बनाकर दागा गया। वहीं, अल अरबिया के मुताबिक, जॉर्डन की एयर डिफेंस ने ईरानी मिसाइलों को रोक दिया।

सीजेपी कांग्रेस जिताओ प्रोग्राम है : फडणवीस

पुणे। पुणे में बीजेपी की महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने सीजेपी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि, ‘सीजेपी कोई छोटा-मोटा संगठन नहीं है, यह कांग्रेस जिताओ प्रोग्राम है। हमें जो चेहरे दिखाई दे रहे हैं, ये सिर्फ ऊपर के चेहरे हैं। ये सभी वही लोग हैं, जो भारत जोड़ो यात्रा में शामिल 180 संगठनों का हिस्सा थे। ये वही संगठन हैं। उन्होंने कहा कि, ‘रामायण काल में कलि नाम का एक राक्षस था, जो बार-बार अपना रूप बदलता था। यह भी उसी तरह का मामला है।’

राशिफल

	किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।
मेघ	
	धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति संवेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।
वृष	
	माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।
मिथुन	
	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
कर्क	
	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।
सिंह	
	आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।
कन्या	
	कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति संवेत भी रहे।
तुला	
	संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।
वृश्चिक	
	आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।
धनु	
	माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।
मकर	
	आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।
कुंभ	
	आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को दश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।
मीन	

होर्मुज में समुद्री माइंस से टकराया सुपर टैंकर



अमेरिका के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के जवान होर्मुज स्ट्रेट में रॉकेट और समुद्री माइंस लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। ईरानी मीडिया ने हमले में कई सैनिकों और नागरिकों के मारे जाने की बात कही है।

होर्मुज के बीच में है लारक द्वीप

लारक द्वीप ईरान के प्रमुख बंदरगाह बंदर अब्बास के पास है और होर्मुज के ठीक बीच में स्थित है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि युद्ध से पहले दुनिया के इस्तेमाल होने वाले करीब 20% तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आवाजाही इसी रास्ते से होती थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान फिलहाल इस द्वीप के पास से गुजरने वाले टैंकरों की जांच कर रहा है और जहाजों से स्ट्रेट पार करने के लिए 20 लाख डॉलर यानी करीब 19 करोड़ तक टैक्स संचूल रहा है।

सिंधु जल संधि विवाद

कहा- संप्रभु फैसलों पर अधिकार नहीं

मध्यस्थता अदालत का फैसला भारत सरकार ने किया खारिज

हरिभूमि न्यूज़>>>नई दिल्ली



भारत ने सोमवार को विश्व बैंक द्वारा गठित सिंधु जल संधि से जुड़ी मध्यस्थता अदालत के फैसले को खारिज करते हुए उसे अवैध रूप से गठित निकाय बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस अदालत का भारत के संप्रभु फैसलों पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला लागू रहेगा। वहीं, मध्यस्थता अदालत ने कहा है कि पहलगाय आतंकी हमले के बाद संधि को स्थगित करने के लिए भारत द्वारा दिए गए आधार पर्याप्त नहीं हैं और संधि अभी भी पूरी तरह लागू है।

भारत ने अदालत के गठन पर ही उठाए सवाल

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विश्व बैंक ने संधि की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए इस तथाकथित मध्यस्थता अदालत का गठन किया है। भारत इस तथाकथित अदालत के फैसले को उसी तरह खारिज करता है, जिस तरह उसने पहले भी इस ‘अवैध रूप से गठित संस्था की सभी टिप्पणियों और फैसलों को खारिज किया है। भारत ने कानून की नजर में इस अवैध रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थता अदालत के अस्तित्व को कभी मान्यता नहीं दी है।

अदालत ने संधि स्थगित करने के भारत के फैसले को नहीं माना

विदेश मंत्रालय का यह बयान उस समय आया, जब इससे कुछ घंटे पहले मध्यस्थता अदालत ने कहा था कि जिन आधारों पर भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला किया, वे संधि को निलंबित करने या समाप्त करने को उचित नहीं ठहराते। इसलिए सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत को संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए।

शब्द पहेली - 6334

1	2	3	4	5					
6		7		8				9	
10	11		12		13			14	
15								16	
17			18				19		
			20						
21					22			23	
24								25	
26			27	28	29	30		31	
			32		33				
	34					35			

बिलासपुर

बाएँ से दाएँ-

1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. शीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दोषा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2

26. पिटाई, चोट-2

27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
34. उदाहरणार्थ-4
35. पितृवृक्ष-4
- ऊपर से नीचे
2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. तरुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रव-7
13. डॉट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पुर्व

प्रधानमंत्री-5,2

18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमतल-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिष्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, धोपना-3

शब्द पहेली - 6333 का हल

र	य	द	न	ज	अ	ब	स	ब
क	ल	प	म	नि	क	ल	फ	
ह	क	स	ह	अ	न	ब	का	र
म	क	म	न	ध्व	ति			
ज	य	क	न	अ	र	कु	म	र
ह	क	श	या	री	ल	स	य	
क	स	र	न	न	अ	न	ब	र
म		ज	का	क	र		मी	
नि	स	ह	म	ल	श	स	स	
न	क	मी	र	क	स	दा	न	र

यूजीकु नवताल - 6344										****☆ मध्यम									
		5				3													
	2					9	5												
9										6									
						9												3	5
						6												7	
4	8								1										
			7															3	
						2	4								9				
						8								2					
यूजीकु नवताल - 6343 का हल										****☆ मध्यम									
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.										■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.									
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.										■ पहले का केवल एक ही हल है.									
2	7	6	4	9	5	8	1	3		2	7	6	4	9	5	8	1	3	
5	8	1	7	2	3	9	6	4		5	8	1	7	2	3	9	6	4	
9	3	4	8	1	6	2	5	7		9	3	4	8	1	6	2	5	7	
6	5	9	2	4	8	3	7	1		6	5	9	2	4	8	3	7	1	
8	4	7	9	3	1	6	2	5		8	4	7	9	3	1	6	2	5	
1	2	3	5	6	7	4	9	8		1	2	3	5	6	7	4	9	8	
3	6	5	1	8	2	7	4	9		3	6	5	1	8	2	7	4	9	
7	9	2	3	5	4	1	8	6		7	9	2	3	5	4	1	8	6	
4	1	8	6	7	9	5	3	2		4	1	8	6	7	9	5	3	2	

उपयोगकर्ता बिना इंटरनेट यूपीआई से भुगतान कर पाएंगे

एजेंसी ►► नई दिल्ली

डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे ने सोमवार को 'फोनपे यूपीआई 123पे' सेवा शुरू करने की घोषणा की, जिसके जरिये फीचर फोन उपयोगकर्ता भी इंटरनेट कनेक्शन के बगैर यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। कंपनी ने दावा किया कि इस सेवा के साथ वह फीचर फोन उपयोगकर्ताओं को यूपीआई भुगतान की सुविधा देने वाली पहली प्रमुख टीपीएपी कंपनी बन गई है। इस समय देश में 20 करोड़ से अधिक फीचर फोन उपयोगकर्ता होने का अनुमान है।

एसएमएस आधारित ढांचे का उपयोग

फोनपे के मुताबिक, यह सेवा उसकी स्वामित्व वाली प्रौद्योगिकी पर आधारित है और लेनदेन को सीमित 2जी कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी भरोसेमंद बनाने के लिए एसएमएस आधारित ढांचे का इस्तेमाल करती है।

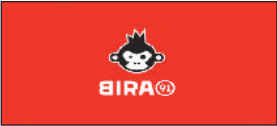
ख़बर संक्षेप

जिंदल स्टील कॉइन ब्लैक की विनिर्माण क्षमता बढ़ाएगी



हिसार (हरियाणा)। जिंदल स्टेनलेस ने सिक्कों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले “कॉइन ब्लैक” को वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी अपनी क्षमता को मौजूदा 10,000 टन से बढ़ाकर 12,000 टन सालाना करेगी। सिक्कों और अन्य धातु आधारित मुद्रा की मांग बढ़ रही है।

एचएनजीआईएल ने ‘बीरा 91’ को मेजा चूक नोटिस



नई दिल्ली। हिंदुस्तान नेशनल ग्लास एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एचएनजीआईएल) ने “बीरा 91” ब्रांड की बोतल बनाने वाली कंपनी बी9 बेवेरेजिज लिमिटेड को भुगतान में चूक का (डिफॉल्ट) नोटिस भेजा है। कंपनी कर्ज में डूबी इस शराब विनिर्माता को दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलटी में ले जाने की योजना बना रही है।

सोने में गिरावट जारी 1,500 रुपए और टूटा



नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सरफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतों में लगातार चौथे दिन गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर कमजोर संकेतों के कारण कीमतें 1,500 रुपये टूटकर 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। घरेलू सोने की कीमतों में गिरावट हाल के सप्ताहों में सोने की कीमतों में आई तेजी के बाद लगातार हो रही मुनाफासूची को भी दिखाती है।

चौधरी ऑलकार्गो टर्मिनल्स के प्रबंध निदेशक नियुक्त



मुंबई। ऑलकार्गो समूह की कंपनी ऑलकार्गो टर्मिनल्स लिमिटेड (एटीएल) ने प्रणव चौधरी को एक सितंबर से एमडी नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि चौधरी मौजूदा प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार आर. का स्थान लेंगे। सुरेश 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। नियुक्ति से एटीएल की क्षमताओं को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर में पार्थ चेयरमैन नियुक्त



मुंबई। वाहन विनिर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल ने पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया है। इससे पहले पार्थ कंपनी के निदेशक थे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की सरकारी वाहन विनिर्माता कंपनी एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 प्रतिशत और एसएआईसी मोटर की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

फीचर फोन से भी बिना इंटरनेट कर सकेंगे यूपीआई भुगतान

‘फोनपे यूपीआई 123पे’ पर फोनपे ने शुरू की सेवा

30 करोड़ डिजिटल भुगतान के दायरे में आएंगे

फोनपे के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर निगम ने कहा, “फोनपे यूपीआई 123पे के जरिये फीचर फोन पर यूपीआई लाने से डिजिटल भुगतान का लाभ स्मार्टफोन से आगे देश के हर कोने तक पहुंचेगा।” उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अगले 30 करोड़ उपयोगकर्ताओं को डिजिटल भुगतान के दायरे में लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है।



स्कैन करने की सुविधा भी होगी

इस सेवा के जरिये उपयोगकर्ता एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति (पी2पी) और व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) को भुगतान कर सकेंगे। कैमरे वाले फीचर फोन में तयूआर कोड को स्कैन करने की सुविधा भी होगी। इसके अलावा उपयोगकर्ता खाते का प्रबंधन, शेष राशि की जांच और लेनदेन का इतिहास भी देख सकेंगे।

नोकिया, एचएमडी, लावा से साझेदारी

कंपनी ने इस सेवा को अपने उपकरणों में पहले से उपलब्ध करने के लिए नोकिया, एचएमडी, लावा इटरेबलफोन और आईटेल मोबाइल जैसे मोबाइल फोन निर्माताओं के साथ साझेदारी की है।

कंपनी के चेयरमैन 67वीं वार्षिक आम बैठक को कर रहे थे संबोधित

‘होर्मुज जलडमरूमध्य’ बाधित होने के बीच आईओसी ने एलपीजी उत्पादन 30% बढ़ाया

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने सोमवार को कहा कि कंपनी ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण समुद्री व्यापार प्रभावित होने और ऊर्जा आपूर्ति के जोखिम के बीच रसोई गैस (एलपीजी) उत्पादन में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तथा अपनी रिफाइनरियों को 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर संचालित किया।

कंपनी की 67वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए साहनी ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता और कच्चे तेल की आपूर्ति में चुनौतियों के बावजूद आईओसी ने कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता, रिफाइनरी संचालन में बदलाव किया और वैकल्पिक आपूर्ति सुनिश्चित की।

कच्चे तेल की जरूरत का 88 प्रतिशत से अधिक आयात

साहनी ने कहा, “इस अग्रिमपूर्व संकेत के दौरान इंडियन ऑयल की प्राथमिकता स्पष्ट रही है... सीमित आपूर्ति विकल्पों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्तर-चढ़ाव के बावजूद ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखना। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 88 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। इसमें से करीब 45 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात और लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात होमुज जलडमरूमध्य से जुड़ा है।

- कहा, खाड़ी युद्ध तनाव के कारण समुद्री व्यापार हुआ प्रभावित
- रिफाइनरियों को 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर किया जा रहा संचालित
- करीब 45 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात होमुर्ज जलडमरूमध्य से जुड़ा



आईओसी का कारोबार 8.86लाख करोड़ रुपए रहा

साहनी ने कहा, “पश्चिम एशिया के कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय बदलाव के बावजूद हमारी रिफाइनरी का परिचालन 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर हुआ, कम समय में एलपीजी उत्पादन करीब 30 प्रतिशत बढ़ाया गया और गैस कारोबार में प्राथमिक क्षेत्रों को आपूर्ति जारी रखी” उन्होंने कहा कि मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष में आईओसी का कारोबार करीब 8.86 लाख करोड़ रुपये का रहा।

कच्चे तेल के आयात स्रोतों में बदलाव किया

ऐसे में इस रणनीतिक समुद्री मार्ग में किसी भी बाधा का देश की ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर पड़ता है। साहनी ने कहा, “पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मार्गदर्शन में कंपनी ने कच्चे तेल के आयात स्रोतों में बदलाव किया. रिफाइनरी संचालन को नए सिरे से व्यवस्थित किया और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला मजबूत की...”।”

पश्चिम एशिया तनाव फिर बढ़ने से घरेलू शेयर बाजार में गिरावट

एजेंसी ►► मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई। आईटी और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने से मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 307 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी 95 अंक टूटा।

कच्चे तेल के दाम में तेजी, वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी पूंजी की निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर



आधारित बीएसई सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 95.25 अंक की गिरावट के साथ 24,080.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से अदानी पोर्ट्स में सर्वाधिक 4.11 प्रतिशत की गिरावट आई।

- सेंसेक्स 307 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में
- आईटी और एफएमसीजी शेयरों में रही बिकवाली

ऊंची ब्याज दरों को लेकर चिंता बढ़ी

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं कमजोर पड़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि से ऊर्जा की अगुवाई में मुद्रास्फीति बढ़ने और ऊंची ब्याज दरों को लेकर चिंता बढ़ी है।

परमाणु क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाए डीईई...



मुंबई। देश के परमाणु कार्यक्रम से पांच दशक से अधिक समय से जुड़ी टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (टीसीई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित शर्मा ने कहा कि कंपनी का

मानना है कि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) को अब अपने रणनीतिक उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के साथ अधिक काम करना चाहिए। टीसीई के प्रबंध निदेशक अमित शर्मा ने कहा कि मुंबई मुख्यालय वाले डीएई को अपने सरकारी क्षेत्र के अंतरिक्ष समकक्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुशासन संगठन (इसरो) से सीख लेनी चाहिए, जिसने निजी क्षेत्र के विकास की गति तेज करने में मदद की है।

नियम नहीं मानने वाले रेस्तरां को मंच से हटाएगी

जोमैटो ने ‘एनालॉग’ खाद्य उत्पादों पर रोक लगाई

एजेंसी ►► नई दिल्ली

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने-पीने के सामान की आपूर्ति करने वाले मंच जोमैटो ने सोमवार को अपने मंच पर सूचीबद्ध रेस्तरां के ‘एनालॉग’ चीज, पनीर या अन्य दुग्ध उत्पादों से बने व्यंजनों की बिक्री को कतई बदर्राश नहीं करने की नीति की घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले रेस्तरां को वह अपने मंच से हटाने का अधिकार रखती है। ‘एनालॉग’ व्यंजनों में पारंपरिक सामग्री की जगह संसे या वैकल्पिक

भागीदारों से तत्काल कदम उठाने कहा

कंपनी ने रेस्तरां भागीदारों से तत्काल कदम उठाने को कहा है। इनमें प्राकृतिक दुग्ध उत्पादों का इस्तेमाल शुरू करना, जहां ऐसा तुरंत संभव नहीं हो वहां ‘एनालॉग’ दुग्ध उत्पादों वाले व्यंजनों को मेन्यू से हटाना तथा रेस्तरां के आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्पाद लेबल तथा सामग्री संबंधी घोषणाओं की समीक्षा कर इस्तेमाल की जा रही सामग्री की पुष्टि करना और जोमैटो पर सूचीबद्ध उत्पादों का सही वितरण सुनिश्चित करना शामिल है।



पालन न करने पर मंच से हटाने का अधिकार

जोमैटो ने कहा, “यदि कोई रेस्तरां नियमों का पालन नहीं करता पाया जाता है, तो कंपनी को ऐसे रेस्तरां को मंच से हटाने का अधिकार होगा। इसके अलावा, हमारी नीतियों और लागू कानून के तहत उपलब्ध अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।”

एआई हेल्पलाइन भी शुरू की है

पहली बार सेवा का इस्तेमाल करने वाले उपयोगकर्ताओं की सहायता के लिए कंपनी ने आवाज-आधारित कुत्रिम मेधा (एआई) हेल्पलाइन भी शुरू की है। इससे अंग्रेजी और 12 भारतीय भाषाओं में जरूरी जानकारी मुहैया कराई जाएगी।

अतिरिक्त सुविधाएं भी जोड़ी जाएगी

फोनपे ने कहा कि आगे के अपडेट में बिजली-पानी आदि के बिल भुगतान, रिचार्ज और आधार आधारित सेवा शुरू करने जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी जोड़ी जाएगी। जुलाई, 2026 तक फोनपे के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 71.5 करोड़ से अधिक थी, जबकि उसके व्यापारी नेटवर्क में पांच करोड़ से अधिक भागीदार थे।

शिक्षित युवाओं को भी रोजगार मिलना मुश्किल : कुमारस्वामी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को वाहन उद्योग से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षित स्नातकों के लिए भी रोजगार मिलने में मुश्किल आना एक ‘जमीनी हकीकत’ है।

मंत्री ने कहा कि देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है। कुमारस्वामी ने यहां ‘ऑटोमोटिव स्क्रिल्स डेवलपमेंट काउंसिल’ (एसएसडीसी) के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, “आईए, हम अगली पीढ़ी के परिवहन क्षेत्र के लिए तैयार वाहन उद्योग के कार्यबल के निर्माण और विकसित भारत 2047 के व्यापक लक्ष्य में योगदान के लिए मिलकर काम करें।



- एसएसडीसी के वार्षिक सम्मेलन को कर रहे थे संबोधित
- वाहन उद्योग अधिक अवसर पैदा करे

सरकार कई पीएलआई योजनाएं शुरू कर रही

कुमारस्वामी ने कार्यक्रम से इतर बातचीत में कहा कि सरकार कई उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू कर रही है और वाहन उद्योग को मजबूत करने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि वाहन उद्योग के जरिए रोजगार सृजन हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वाहन क्षेत्र का इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात, कलपुर्जी, लॉजिस्टिक, सॉफ्टवेयर और सेवाओं समेत कई क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

एक पेड़ मां के नाम : अशोका पाम मीडोज में लगाए गए 5 हजार पौधे

रायपुर। इंडा स्थित आरती गुप के अशोका पाम मीडोज में आयोजित प्रॉपर्टी फेस्ट के दौरान रविवार को पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष पहल की गई। ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत यहां वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कुल 5 हजार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, अशोका पाम मीडोज के रहवासियों और प्रॉपर्टी फेस्ट में पहुंचे लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। लोगों ने अपनी मां के नाम पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धर्मस्थ एवं धार्मिक न्यास मंत्री राजेश

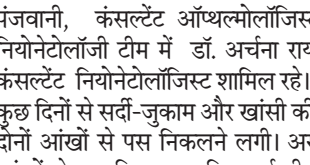
अगवाल, विधायक राजेश मृगत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू और अनुज शर्मा, महापौर मीनल चौबे, सम्पत्ति सूचकांक राठौर सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस दौरान नंदे साहू, नंदन जैन, रमेश ठाकुर, डॉ. सलीम राज, उमाशंकर व्यास, गौरीशंकर अगवाल, अमर पटवानी, सुभाष राव, अशोक पाण्डेय, शांतिपाल बरडिया, संजय राज, राजीव अगवाल, मनीष मंडल और छगन मुंडड़ा सहित अन्य लोगों ने भी पौधारोपण कर अभियान में सहभागिता की।

प्रॉपर्टी फेस्ट को मिल रहा अच्छा रिस्रॉन्स: आरती गुप के डायरेक्टर ऋशुराज अगवाल ने बताया कि अशोका पाम मीडोज के प्रॉपर्टी फेस्ट को लोगों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। प्रोजेक्ट में 3-बीएचके रेडी-टू-मूव अपार्टमेंट्स के साथ आकर्षक मुगतान सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 20 प्रतिशत मुगतान पर तत्काल वाबी और शेष राशि के मुगतान के लिए 18 महीने तक नो-पेमेंट का विकल्प दिया जा रहा है। इसके अलावा पहली 100 बुकिंग के लिए तक की ड्रां भी रखा गया है।

नवजात की आंखों के बैक्टीरियल इन्फेक्शन का इट्सा में सफल इलाज

रायपुर। 25 दिन के एक नवजात शिशु की आंखों में हुए गंभीर बैक्टीरियल इन्फेक्शन का इट्सा हॉस्पिटल्स में सफल उपचार किया गया। बच्चे को दोनों आंखों से पस आने के साथ खून मिला हुआ डिस्चार्ज भी हो रहा था। जांच के बाद डॉक्टरों ने इन्फेक्शन के कारण का पता लगाया और आवश्यक उपचार शुरू किया। नवजात का उपचार डॉ. सचिन पिटलावर, सीनियर कंसल्टेंट नियोनेटोलॉजिस्ट एवं बाल रोग विशेषज्ञ, तथा डॉ. वंदना पंजवानी, कंसल्टेंट ऑर्थोल्मोलॉजिस्ट की देखरेख में किया गया। नियोनेटोलॉजी टीम में डॉ. अर्चना राय और डॉ. श्रेयांश वल्लियाणी, कंसल्टेंट नियोनेटोलॉजिस्ट शामिल रहे। जानकारी के अनुसार, बच्चे को कुछ दिनों से सर्दी-जुकाम और खांसी की समस्या थी। इसके बाद उसकी दोनों आंखों से पस निकलने लगी। अस्पताल आने से एक दिन पहले आंखों से खून मिला हुआ डिस्चार्ज भी दिखाई दिया। इसके बाद परिवार बच्चे को जांच और उपचार के लिए इट्सा हॉस्पिटल्स लेकर पहुंचा। आंखों की जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चे में एक्यूट बैक्टीरियल कंजंक्टिवाइटिस, जिसे ऑर्थोथैल्मिया नियोनेटोम भी कहा जाता है, की पहचान की। यह नवजात शिशुओं की आंखों में होने वाला बैक्टीरियल इन्फेक्शन है। इलाज के दौरान बच्चे को एंटीबायोटिक आई ड्रॉप्स दी गईं और दोनों आंखों की नियमित सफाई की गई। डॉक्टरों ने आई मसाज की भी सलाह दी, जिससे बंद आं सू नलिकाओं से आंसूओं की निकासी में मदद मिल सके। इलाज के बाद बच्चे को स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

दोनों आंखों से पस और खून मिला डिस्चार्ज हो रहा था



प्रीमियर लीग: ओल्ड ट्रैफर्ड में यूनाइटेड का कहर, फर्नांडीस की हैट्रिक



एजेसी ►► लंदन

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रीमियर लीग मैच में इम्पेचिबल टाउन को 5-2 से हराया। टीम की जीत के नायक ब्रूनो फर्नांडीस रहे, जिन्होंने तीन गोल किए। मैनचेस्टर यूनाइटेड इस मैच में पिछले सप्ताह हल सिटी के खिलाफ मिली अप्रत्याशित हार के बाद उतरी थी। इसलिए टीम पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। टीम के लिए हालात तब और मुश्किल हो गए, जब 24वें मिनट में लीफ डेविस ने गोल करके इम्पेचिबल को बहुत दिला दी।

फर्नांडीस ने हाफ टाइम से पांच मिनट पहले स्कोर बराबर किया, और ब्रेक के 10 मिनट बाद हैरी मैगुइर के हेडर से यूनाइटेड आगे हो गया। यह गोल इम्पेचिबल के डिफेंडर जैकब ग्रीव्स से टकराकर गोल पोस्ट के अंदर गया। इसके तुरंत बाद फर्नांडीस ने पेनल्टी स्पॉट से अपना दूसरा गोल किया और 68वें मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी की। ब्रायन म्बेम्बो ने मैच खत्म होने से आठ मिनट पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पांचवां गोल किया, जबकि चुबा अकपोम ने स्टॉपेज टाइम में इम्पेचिबल के लिए दूसरा गोल किया।



बुडेसलीगा : फ्रीबर्ग ने वेर्डर ब्रेमेन को दी शिकस्त

बर्लिन। युद्धो सुजुकी की शानदार हैट्रिक की बदौलत फ्रीबर्ग ने बुडेसलीगा 2026/27 सीजन की शुरुआत वेर्डर ब्रेमेन पर 4-1 की बड़ी जीत के साथ की है। मैच की शुरुआत में ब्रेमेन ने काफी अनुशासित खेल दिखाया और फ्रीबर्ग के खिलाड़ियों को ज्यादा मौके नहीं दिए। मेहमान टीम की ओर से मार्को बुल और अमोस पाइपर ने शुरुआती हमले किए और गोल करने की कोशिश की। फ्रीबर्ग ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बना लिया और 29वें मिनट में गतिरोध तोड़ा। निकलास बेस्टे ने दूर वाले पोस्ट की ओर एक कॉर्नर किक मारी, जहां सुजुकी अपने मार्कर से धक्का निकले और पास से हेडर करके गोल कर दिया।

ला लीगा : रियल मैड्रिड की मालागा पर बड़ी जीत

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने सीजन के शुरुआती दौर में अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखते हुए हाल ही में प्रमोट हुई टीम मालागा को 4-0 से हराया। रियल मैड्रिड की ओर से जूड बेलिंगहम जीत के नायक रहे, जिन्होंने एक गोल करने के साथ-साथ एक असिस्ट भी किया। बेलिंगहम ने मैच के 19वें मिनट में गोल करके रियल मैड्रिड की टीम को अच्छी शुरुआत

दिलाई। इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने सात मिनट बाद दूसरे गोल में भी अहम भूमिका निभाई, जब मालागा के गोलकीपर अल्फोंसो हेरेरो से टकराकर गेंद नेट में चली गई। इसके बाद, आधे घंटे के खेल के दौरान ट्रेट अलेक्जेंडर-अर्नॉल्ड के बेहतरीन कौस पर फिलियन एस्कापे ने सही जगह पर रहकर गोल किया और रियल मैड्रिड को 3-0 से आगे कर दिया।

खबर संक्षेप



ज्यादा वनडे क्रिकेट खेलना चाहते हैं हेजलवुड
सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अपनी गेंदबाजी की तेजी बनाए रखने और अक्टूबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए ज्यादा से ज्यादा वनडे क्रिकेट खेलना चाहते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सफल वापसी के बाद उनका ध्यान अधिक से अधिक मैच खेलने पर है। सिडनी में हेजलवुड ने कहा, मुझे लगता है कि मेरे लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है कि मैं जितना हो सके उतना खेलूं। उस टेस्ट सीरीज से पहले हमारी दो वनडे सीरीज हैं, इसलिए हो सकता है कि मैं दोनों सीरीज में तीन में से दो मैच खेलूं। मुझे लगता है कि एक बार जब आप उस तेजी या इंटेसिटी पर पहुंच जाते हैं, जिस पर हम सभी अभी हैं, तो उसे जितना हो सके बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए।

पैरा खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक



नई दिल्ली। भारत ने फिनलैंड में आयोजित आईटीडीएफ विश्व पैरा प्युचर लाइट टूर्नामेंट से 6 स्वर्ण, 4 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 16 पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते थे। इसके बाद उन्होंने युगल में दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित छह पदक अपने नाम किए। रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रकन अब्दुल रहमान पर 3-0 की जीत के साथ स्वर्ण पदक जीता। सुमित ने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर मिश्रित युगल का खिताब जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। फाइनल में इस जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराया।

तलवारबाजी टीम की अगुवाई करेंगी भवानी



नई दिल्ली। ओलंपियन सीए भवानी देवी दो महीने के अंतराल के बाद प्रतिस्पर्धी गतिविधियों में वापसी करते हुए आगामी एशियाई खेलों के लिए चुनी गई 20 सदस्यीय भारतीय तलवारबाजी टीम की अगुवाई करेंगी। भवानी देवी इस साल आयोजित एशियाई सीनियर तलवारबाजी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के बाद आइवी-नागोया एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। चयनित सभी खिलाड़ी मंगलवार से 15 सितंबर तक पटियाला के राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में राष्ट्रीय तैयारी शिविर में हिस्सा लेंगे।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल : ईस्ट जोन के युवा बल्लेबाज ने सेंट्रल जोन के खिलाफ दिखाया दम

वैभव बने सबसे युवा अर्धशतकवीर तोड़ा 57 साल पुराना लक्ष्मण का रिकॉर्ड

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया। वह दलीप ट्रॉफी के इतिहास में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं।

एजेसी ►► बेंगलुरु

वैभव ने ईस्ट जोन की तरफ से खेलते हुए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड पर सेंट्रल जोन के खिलाफ 42 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वैभव ने यह अर्धशतक 15 साल और 175 दिन की उम्र में लगाया है। उन्होंने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1969 में 16 साल और 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। भारत के पूर्व लेग-स्पिनर पीयूष चावला इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 16 साल और 307 दिन की उम्र में दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाया था।



तिलक का शतक, नॉर्थ के खिलाफ साउथ जोन ने बनाई शानदार लीड



साउथ जोन ने सेमीफाइनल-2 में नॉर्थ जोन के खिलाफ अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। दूसरे दिन की समाप्ति तक साउथ जोन ने 90 रन की बढ़त हासिल कर ली है। साउथ जोन ने दिन की समाप्ति तक अपनी पहली पारी में कुल 94 ओवरों का सामना करते हुए 9 विकेट खोकर 285 रन बना लिए। इस टीम ने 80 रन तक अपने 5 विकेट खो दिए थे। यहां से कप्तान तिलक वर्मा ने श्रेयस गोपाल के साथ छठे विकेट के लिए 334 गेंदों में 175 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 255 रन तक पहुंचाया। श्रेयस गोपाल छठे विकेट के रूप में आउट हुए। उन्होंने 11 चौकों के साथ 88 रन बनाए। कप्तान तिलक दूसरे दिन के खेल तक 7 चौकों के साथ 106 रन बनाकर नाबाद थे। विपक्षी खेमे से गुरनूर बरार 70 रन देकर 4 विकेट हासिल कर चुके हैं, जबकि अर्शदीप सिंह और अंशुल कंबोज ने 2-2 विकेट चटकाए हैं।

डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोलोमोक

अंकुर का डबल धमाका जीते दो गोल्ड मेडल



एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में

78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साना एंड्रास सेंटोसी और पोलेंड के एबन कुलजिची जालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था।

तीन गेम जीतकर खिताब किया अपने नाम

अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सेंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया।

निराशा मुलाकर कोर्ट पर गरजेंगे लक्ष्य, पहले दौर में कड़ी चुनौती

एजेसी ►► रीनड्रेन

विश्व चैंपियनशिप में शुरुआत में ही बाहर होने वाले लक्ष्य सन अपनी इस निराशा को पीछे छोड़कर मंगलवार से शुरू होने वाले 1,250,000 अमेरिकी डॉलर के चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। सेन को हालांकि पहले दौर में ही कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। वह अपने शुरुआती मैच में फ्रांस के विश्व चैंपियन एलेक्स लैनियर का सामना करेंगे। किदाम्बी श्रीकांत पहले मैच में चीनी ताइपे के ची यु-जेन का सामना करेंगे। इस सत्र में उनका प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा है।

सात्विक और चिराग से काफ़ी उम्मीदें

पुरुष युगल में सात्विकसाईंराज रंकरेड्डी और चिराग शेट्टी की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से भारत को काफी उम्मीद होगी। सात्विक और चिराग ने इस साल की शुरुआत में सिंगापुर ओपन जीतकर दो साल का अंतरराष्ट्रीय खिताब का इंतजार खत्म किया। वे चीन के हू के युआन और लिन जियांग यी के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे।

उन्नति, तन्वी और देविका पर निगाहें

महिला एकल में भारत की निगाहें तीन युवा खिलाड़ियों उन्नति हुडा, तन्वी शर्मा और देविका सिन्हाग पर टिकी रहेंगी। रोहतास की 18 वर्षीय उन्नति का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त चीन की हान यू से होगा। तन्वी का मुकाबला डेनमार्क की अमाली शुल्ज से होगा और देविका का बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतीवा से होगा।



गुमशुदा



उमैद कुमार पाटले

उम्र - 28 वर्ष
पिता - भागवत प्रसाद पाटले
निवासी- खैजा सोहनपुर चौकी पंतोरा थाना बल्लोदा जिला जांजगीर चंपा
नाम मुखक :- भागवत प्रसाद पाटले पिता स्व. रुपयरा पाटले उम्र 58 वर्ष साकिन खैजा सोहनपुर चौकी पंतोरा थाना बल्लोदा हलिया
रंग:- गोरा, कट:- 5 फीट 8 इंच, कपड़ा:- लोवर फूल शर्ट गुलाबी रंग, बाल:- काला, चेहरा:-गोल, शैक्षणिक-M.sc तक पढ़ा है।
दिनांक घटना :- 02.07.2026 के रात्रि 7 से 8 बजे, घटना स्थल:- ग्राम खैजा सोहनपुर, कुपवा कहीं मिले या दिखे तो नीचे दिखे मो.नं. पर संपर्क करें, पता बताने वालों को उचित इनाम 30,000 दिया जाएगा।
पिता- भागवत प्रसाद पाटले 8319680653
भाई- राजेश कुमार पाटले 9244737368

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विधि एस एण्ड टी कार्य हेतु निविदा सूचना
क्र.सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्या: 14-एससी-टेंडर-2026. दिनांक-19.08.2026 कार्य : 1. अमलाई (AAL) कटनी (KTE) छोर पर अप लुप लाइन L/7 के डेड एंड (DE) का विस्तार करते हुए, तीसरी लाइन पर डिस्के सुविधा सहित लॉन्ग-हॉल गटन एवं मालगाड़ी पार्किंग लाइन का निर्माण/विस्तार, साथ में पाथवे एवं प्रकाश व्यवस्था की सुविधा। 2. लोहा (LOA) कटनी (KTE) छोर पर मौजूदा डाउन लुप लाइन संख्या-1 के डेड एंड (DE) का विस्तार करके डाउन लॉन्ग-हॉल लुप (CAL-1500 मीटर) का निर्माण, जिसमें रिकेपिंग सुविधा भी शामिल है। 3. लोहा (LOA) दोनों छोरों पर लॉन्ग-हॉल ट्रेनों के संभालन/हैंडलिंग हेतु दिश-आत्मक (Bi-directional) तीसरी लाइन सहित लॉन्ग-हॉल लुप लाइन का निर्माण।
निविदा मूल्य : ₹ 6,99,72,603.71/- (छह करोड़ नव्यानेवे लाख बहतर हजार छह सौ तीन रुपये और इकहतर पैसे मात्र)।
बन्या राशि : ₹ 13,99,500/- (तेरह लाख नव्यानेवे हजार पांच सौ रुपये मात्र)।
निविदा का जमा होना : दिनांक 15.09.2026 के 15:00 बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी <http://www.iregs.gov.in> वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेडर स्वीकार नहीं की जाएगी।
मंडल संकेत एवं दूर. ईजी/मैन लाइन सीपीआर/10/363 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway X@secrail

यूएस ओपन



जैसिका का दूसरे दौर में प्रवेश नोवाक पहले दौर में ही बाहर

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

यूएस ओपन 2026 में महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त जैसिका पेगुला और 11वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक ने दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं जोकोविच पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। पेगुला ने एलेना गैब्रिएला रूसे को 6-3, 6-2 से हराया। इस सत्र में सर्वाधिक 46 मैच जीतने वाली पेगुला का अगला मुकाबला वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली सोफिया केनिन से होगा। पेगुला ने कहा, 'मैदान में उतरने से पहले मैं बहुत घबराई हुई थी, लेकिन मेरे कोच ने कहा कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।' कोस्त्युक ने स्टर्मा हंटर को 6-4, 6-1 से हराकर साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। इससे पहले वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थीं।

मारियानो से हारे जोकोविच

दिग्गज खिलाड़ी और रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच अपने करियर में पहली बार यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए जबकि वीनस विलियम्स का पिछले साल वापसी करने के बाद पहले दौर में हार का सिलसिला जारी रहा। 4 घंटे 36 मिनट तक चले पांच सेटों के इस मैराथन मैच में जोकोविच को अर्जेंटीना के मारियानो नाबोने से 7-6 (5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हार का सामना करना पड़ा। यूएस ओपन के पहले दौर में इससे पहले जोकोविच का रिकॉर्ड 19-0 था और उन्होंने 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना पहला मैच नहीं हारा था।

अगले दौर में स्वितोलिना, पाओलिनी और लेयला

महिला वर्ग में जीत हासिल करने वाली अन्य खिलाड़ियों में नौवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना, 19वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी और 31वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज (2021 की यूएस ओपन की उपविजेता) शामिल थीं। महिला एकल के पहले दौर में उल्टाफेर भी देखने को मिला क्योंकि दो बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन और 21वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिकोवा, कामिला रस्किमोवा से 7-6 (4), 6-2 से हार गईं।

प्रपत्र- 'जी'			
अगिरुचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण			
नीलकण्ठ सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड कोरबा में निर्माण एवं परियोजना प्रबंधन उद्योग में कार्यरत है			
(भारतीय विद्याला और शोधन अकादमी बोर्ड के विनियमन 36ए के उप- विनियमन (1) के तहत (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए विद्याला समाधान प्रक्रिया) विनियम, 2016)			
प्रासंगिक विवरण			
1. कॉर्पोरेट देनवार का नाम	नीलकण्ठ सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड		
साथ में भेजी जायेगी/एलनक्यूए नं.	आ. नं. AABCNP104G सीआरए नं. U51505ST2001PTC014514		
2. पंजीकृत कार्यालय का पता	बी-15 वीनदवार मार्केट, पी.एच.रोड, कोरबा, छत्तीसगढ़-495677		
3. वेबसाइट का यूआरएल	लागू नहीं		
4. उक्त स्थान का विवरण जहां अधिकार अचल संपत्तियां स्थित हैं	कोरबा, छत्तीसगढ़ में लीजहोल्ड भूमि		
5. मुख्य उत्पादों/ सेवाओं की स्थापित क्षमता	हमें दी गई जानकारी के अनुसार, कॉर्पोरेट देनवार निर्माण, परियोजना प्रबंधन और औद्योगिक विकास के व्यवसाय में लगा हुआ था।		
विक्रेता का नाम	जगह	कार्य	
एनटीपीसी लिमिटेड	एनटीपीसी-बदरपुर (फैकेज-2ए)	सिगिल कार्य	
	दिल्ली में इको पार्क		
एनटीपीसी लिमिटेड	एनटीपीसी लारा टाउनशिप पार्क-बी, रायगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	ऑडिटोरियम और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लिए भूमि निर्माण कार्य	
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	रायपुर, छत्तीसगढ़	बागवानी कार्य	
6. मुख्य उत्पादों की मात्रा और मूल्य / पिछले वित्तीय वर्ष में बेची गई सेवाएं	वित्तीय वर्ष 23-24 के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार: सेवाओं से राजस्व 13,94,435.00 रुपये था, मुख्य रूप से कार्यों और सेवा अनुबंध से		
7. कर्मचारियों / कामगार की संख्या	हमें दी गई जानकारी के अनुसार, कॉर्पोरेट देनवार निर्माण, परियोजना प्रबंधन और औद्योगिक विकास के व्यवसाय में लगा हुआ था।		
8. दो बार के अंतिम उपलब्ध वित्तीय विवरण (अनुसूची के साथ), लेनदारों की सूची, प्रक्रिया की बाद की बदनामों के लिए प्रासंगिक स्थितियों सहित अंतिम विवरण यहां उपलब्ध हैं	हमें corp.nspil@gmail.com पर ईमेल करके जानकारी ली जा सकती है		
9. सहित की धारा 25(2)(ए) के तहत सामग्री आवेदकों के लिए पात्रता यहां उपलब्ध है	हमें corp.nspil@gmail.com पर ईमेल करके जानकारी ली जा सकती है		
10. अभिलेख की अभिव्यक्ति की प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि	16 सितंबर 2026		
11. समाविष्ट सामग्री आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तिथि	26 सितंबर 2026		
12. अंतिम सूची के बारे में आपसित्या प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	01 अक्टूबर 2026		
13. समाविष्ट सामग्री आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तिथि	16 अक्टूबर 2026		
14. समाविष्ट सामग्री आवेदकों को सूचना प्राप्त, मूल्यांकन मैट्रिक्स और सामग्री योजना के लिए अनुबंध जारी करने की तिथि	हमें corp.nspil@gmail.com पर ईमेल करके जानकारी ली जा सकती है		
15. समाधान योजनाएं बना करने की अंतिम तिथि	15 नवंबर 2026		
16. ई-ओआई जमा करने के लिए संपातित लिंक आईडी	corp.nspil@gmail.com		
17. एमएसएमई के रूप में कॉर्पोरेट देनवार की पंजीकरण स्थिति का विवरण	'सेवाएं' श्रेणी के अंतर्गत 'लघु उद्यम' के रूप में पंजीकृत प्रत्येक संख्या: UDYAM-CG-10-0000449		
नोट:			
1. समाविष्ट सामग्री आवेदक (भीआरए) द्वारा प्रस्तुत ईओआई दस्तावेज, जिन्होंने 11 अप्रैल 2026 को प्रकाशित ईओआई के आमंत्रण में भाग लिया था, संपादन के अधीन, अभी मान्य हैं और यदि वे सही पाए जाते हैं, तो उन्हें इस ईओआई प्रक्रिया के तहत ईओआई दस्तावेज के रूप में माना जाएगा।			
आरुतु खे खेनानी			
सामग्री प्रोफेशनल, नीलकण्ठ सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड			
पंजीकरण सं.: IBBI/PA-002/PIN-01177/2021-2022/3902 एफएफए नं. 31.12.2026 तक			
पंजीकृत पता: कार्यालय क्रमांक 1-सी, तीसरी मंजिल, श्याम तलाक, नए बस स्टैंड के सामने, पंडरी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 492001			
ईमेल: corp.nspil@gmail.com			
तिथि: 01.09.2026			
स्थान: रायपुर			

जमीन के 30 फीट नीचे बने रहस्यमयी घर, 1000 साल से रह रहे लोग

ट्यूनिस्। जब भी हम किसी के घर की कल्पना करते हैं, तो हमारे दिमाग में ईंट, सीमेंट और छत से बनी एक ऐसी इमारत आती है, जो जमीन के ऊपर खड़ी होती है। लेकिन, दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां लोग जमीन के ऊपर घर बनाने के बजाय जमीन के अंदर गड्ढा खोदकर रहते हैं। ये बिल्कुल पाताल लोक का अहसास दिलाता है। हम बात कर रहे हैं ट्यूनीशिया के दक्षिणी इलाके में बसे मातमाता नाम के एक छोटे से गांव की, जो अपनी इसी अनोखी बनावट की वजह से पूरी दुनिया में जाना जाता है। आमतौर पर गर्म इलाकों में लोग गर्मी से बचने के लिए पहाड़ों को काटकर गुफाएं बनाते हैं। लेकिन, मातमाता गांव के बर्बर समुदाय के लोगों ने बिल्कुल अलग तरीका अपनाया। उन्होंने पहाड़ की दीवारों को काटने के बजाय सीधी जमीन में ही एक बहुत बड़ा और गहरा गड्ढा खोद दिया। इस बड़े गड्ढे को वे अपने घर का आंगन बनाते हैं



आखिर क्यों बनाए पाताल लोक में घर ?

इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि यह इलाका लीबिया और ट्यूनीशिया के बीच का एकमात्र मैदानी रास्ता हुआ करता था। इस वजह से पुराने जमाने में विदेशी हमलावर बार-बार यहां से गुजरते थे और लूटपाट मचाते थे। हमलावरों से अपनी जान और माल बचाने के लिए बर्बर समुदाय के लोगों ने सुरक्षा के लिहाज से जमीन के नीचे एक तरह से पाताल लोक में छिपकर रहना शुरू किया। शुरुआत में वे पहाड़ियों पर छिपते थे, लेकिन बाद में जब अरब हमलावरों के साथ उनके रिश्ते सुधरे, तो वे नीचे के मैदानी इलाकों में आए और जमीन के अंदर गहरे वाले ये घर बनाने लगे। मातमाता गांव की एक और बड़ी पहचान यह भी है कि इसका कनेक्शन हॉलीवुड से बहुत गहरा है।

और फिर उस गड्ढे की अंदरूनी दीवारों को खोदकर चारों तरफ कमरे तैयार करते हैं। कई बार तो आसपास बने ऐसे कई गड्ढों को आपस में जोड़ने के लिए जमीन के नीचे ही खंदक जैसी सुरंगें बना दी जाती हैं, जिससे यह पूरा इलाका एक बड़ी भूलभुलैया जैसा लगता है। अब सवाल यह उठता है कि जमीन के अंदर इतने बड़े गड्ढे और कमरे खोदना कैसे आसान हुआ? दरअसल, मातमाता का यह पूरा इलाका बलुआ पत्थर की एक ऐसी परत पर बसा है, जो बहुत ही नरम होती है। इसे हाथ के साधारण औजारों से भी आसानी से खोदा जा सकता है। लेकिन, खास बात यह है कि यह पत्थर जितना खोदने में आसान है, सदियों तक बिना गिरे टिके रहने में उतना ही मजबूत भी है। बर्बर समुदाय के लोग पिछले एक हजार से भी ज्यादा सालों से इसी तरीके से जमीन के अंदर अपने आशियाने बनाते आ रहे हैं।

कुदरत और इंसान की समझदारी का एक बेजोड़ नमूना

दुनिया भर में मशहूर फिल्म स्टार वॉर्स की शूटिंग इसी गांव में हुई थी। फिल्म के मुख्य किरदार ल्यूक स्काईवाँकर का जो घर पद पर दिखाया गया था, वह असल में मातमाता का ही एक अंडरग्राउंड होटल है, जिसका नाम सिदी दिस है। आज भी इस गांव में बहुत से लोग जमीन के नीचे बने इन पारंपरिक घरों में रह रहे हैं। बाहर चाहे कितनी भी भीषण गर्मी या झुलसाने वाली धूप हो, इन गहरे वाले मकानों के अंदर का तापमान हमेशा एकदम ठंडा और सुहज बना रहता है, जो कुदरत और इंसान की समझदारी का एक बेजोड़ नमूना है।



रोचक खबरें

सबसे बूढ़ी बिल्ली, लेती है प्रोटीन रिच डाइट, पीती है सिर्फ मिनरल वॉटर!

लंदन। बिल्लियां आमतौर पर 12 से 18 साल तक जीवित रहती हैं। 20 साल पार करना भी दुर्लभ माना जाता है। लेकिन, इंग्लैंड के स्टॉकपोर्ट में एक ऐसी बिल्ली है जिसने 31 साल का आंकड़ा छू लिया है। उसका नाम है मिली। हाल ही में मिली ने अपना 31वां जन्मदिन मनाया और सोशल मीडिया पर उसकी चर्चा जोरों पर है। लोग हैरान हैं



कि एक बिल्ली इतनी लंबी उम्र कैसे जी सकती है? मिली एक टॉटोईंशेल बिल्ली है। उसे 1995 में बिल्ली के बच्चे के रूप में गोद लिया गया था। तब से वह अपने मालिक के साथ रह रही है। मालिक का कहना है कि मिली की लंबी उम्र का राज उसकी खास डाइट और देखभाल में छिपा है। मिली प्रोटीन से भरपूर आहार लेती है जिसमें सैल्मन, प्रॉन्स, चिकन, टूना और अन्य मांस शामिल हैं। पानी की जगह वह सिर्फ बक्सटन मिनरल वॉटर पीती है। इसके अलावा भरपूर नेप्स, ट्रीट्स और ढेर सारा प्यार-दुलारा उसकी दिनचर्या का हिस्सा है। सोशल मीडिया पर मिली की तस्वीरें और जन्मदिन की बधाई के पोस्ट वायरल हो रहे हैं। लोग कमेंट में लिख रहे हैं कि 31 साल की बिल्ली देखना सौभाग्य की बात है। कई पेट लवर्स अपनी बिल्लियों की उम्र बता रहे हैं और मिली से तुलना कर रहे हैं। कुछ ने पूछा कि क्या सच में मिनरल वॉटर और प्रोटीन डाइट इतना फर्क डाल सकती है। हालांकि, मिली की उम्र गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक रूप से सत्यापित नहीं है।

यूएस में गधे ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड मालिकन बनवा रही तस्वीर वाली टी-शर्ट

वॉशिंगटन। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में रहने वाले 16 साल के एक गधे का नाम अब अधिकारिक तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। इस खुशी में उसकी मालकिन जेनिफर जी ने पूरे परिवार संग पार्टी की और गधे को गले लगाकर स्पेशल ट्रीट भी दी। इतना ही नहीं, अब वो गधे की तस्वीर वाली टी-शर्ट भी बनवा रही हैं।' गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स



के मुताबिक, इस गधे का नाम हैक है, जिसने जिंदा गधों में सबसे लंबे कान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। हैक के कान 17.12 इंच लंबे हैं, जो जॉर्जिया के पिछले रिकॉर्ड-होल्डर गधे 'होप' से लगभग 1.5 इंच लंबे हैं। इसी वजह से हैक आसानी से यह खिताब जीत गया। जेनिफर बताती हैं, 'हैक से मेरी पहली मुलाकात 5 साल पहले हुई थी, जब वह बिक्री के लिए दूसरे गधों के साथ रखा गया था। उस वक्त हैक खुद मेरे पास आ गया था, जैसे उसी ने मुझको मालिकन चुन लिया हो। उसने मेरा साथ तब तक नहीं छोड़ा, जब तक कि मैंने उसे अपने साथ घर ले जाने का फैसला नहीं कर लिया।' जेनिफर ने आगे कहा, 'हैक बहुत ही चंचल है, शायद इसी वजह से पिछले 5 सालों की दोस्ती में हमारे बीच एक गहरा रिश्ता बन गया। हैक को सबसे ज्यादा मजा ट्रेल ऑब्स्टेकल कॉम्पिटिशन में आता है। लेकिन, मैं उसे जहां भी ले गई, लोग हमेशा यही कहते हैं कि उन्होंने इतने बड़े कान पहले कभी नहीं देखे।'

मर्डर का दोषी भागकर बना सरकारी टीचर, 40 साल बाद फिर पहुंचा जेल

हैदराबाद। हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक कैदी को दिसंबर 1983 में मात्र 91 दिनों की पैरोल मिली थी, लेकिन वो 4 दशक तक जेल से बाहर रहने में कामयाब रहा। इस दौरान ना तो वो अंडरग्राउंड हुआ, ना ही दूसरे देश भागा, बल्कि इस सब के उलट, उसने बाकायदा सरकारी टीचर की नौकरी हासिल की। साल 2004 में बेस्ट टीचर का अवार्ड जीता और फिर साल 2013 में मंजरे से रिटायर भी हो गया, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। उसकी गिरफ्तारी के लिए बनाई गई स्पेशल टास्क फोर्स को 16 मई 2024 में उसकी लोकेशन मिली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार करके वापस सेंट्रल जेल भेज दिया गया। तब तक वो कैदी 73 साल का हो गया था। जेल लौटने पर उसकी 27 दिन की जमा की गई छूट (रैमिशन) रद्द कर दी गई और तीन साल तक पैरोल या फर्लो पर रोक लगा दी गई। इस कार्रवाई के खिलाफ उसकी पत्नी ने तेलंगाना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और 40 साल की लंबी देरी का हवाला देते हुए पति की उम्र और खराब स्वास्थ्य के आधार पर मेडिकल पैरोल की मांग की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी वकील ने हाई कोर्ट में इस याचिका का विरोध करते हुए कहा, 'पैरोल कोई जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है। अगर कोई कैदी पैरोल की शर्तें तोड़ता है, तो उसे सजा मिलना तय है। जब यह कैदी पैरोल खत्म होने के बाद वापस नहीं लौटा था, तब पुलिस अधीक्षक को कई चिट्ठियां लिखी गई थीं और अंत में उसे पकड़ने के लिए खास टीम बनाई गई थी, जिसने अब उसे गिरफ्तार किया है। उसने खुद सरेंडर नहीं किया है। ऐसे में पैरोल नहीं दी जानी चाहिए।' **हाई कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार :** जस्टिस टी माधवी देवी ने इस केस की सुनवाई करते हुए कहा कि यह कैदी अपने जीवन का सबसे बेहतरीन समय जेल से बाहर बिताने में कामयाब रहा है। उसने अपनी सजा की बात छिपाकर धोखे से सरकारी नौकरी हासिल की और सारे फायदे उठाए। कोर्ट ने साफ कहा कि 40 साल तक किसी कैदी का इस तरह गायब रहना और बिना रोक-टोक सरकारी नौकरी करना, बिना गार्ड के पैरोल देने वाले जेल प्रशासन की व्यवस्था की पोल खोलता है। स्वास्थ्य के आधार पर मांगी गई पैरोल को भी कोर्ट ने यह कहकर ठुकरा दिया कि जेल में इलाज की पूरी सुविधा मौजूद है।

अरब देशों पर खतरे की घंटी

रियाद। जलवायु परिवर्तन अरब दुनिया में एक बड़े खतरे की घंटी बज्ता रहा है। पूरे अरब जगत में पानी की कमी, खराब होती फसलें और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों पर जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिख रहा है। इस इलाके में पहले से ही पानी की भारी कमी है। अब जलवायु परिवर्तन की वजह से भूखमरी और मानवीय संकट के प्रति और बहुत ज्यादा संवेदनशील होता जा रहा है। इस स्थिति को लेकर एक्सपर्ट ने चेताया है। खाड़ी सहयोग परिषद देशों के लिए संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के कोऑर्डिनेटर अहमद मुस्तार ने बताया है कि प्रति व्यक्ति ताजे पानी की उपलब्धता के मामले में अरब दुनिया का सबसे ज्यादा पानी की कमी वाला इलाका है। यहां खेती के लायक जमीन 5 प्रतिशत से कम है और रेगिस्तान का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

घटते पानी का संकट

अरब इलाके में एफएओ स्थानीय सरकारों और समुदायों के साथ मिलकर पानी के टिकाऊ प्रबंधन के तरीके लागू करता है। साथ ही यह खेती की पैदावार बढ़ाने, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से खाने-पीने की चीजों की कमी के संकट से कमजोर आबादी को बचाने के लिए पॉलिथ्री प्रेमकव बनाता है। स्थानीय स्तर पर ताजे पानी का ज्यादातर इस्तेमाल खेती में ही होता है इसलिए पानी की कमी से किसान समुदाय बहुत तेजी से मुश्किल में पड़ जाते हैं। उन्हें खाने-पीने की चीजों के लिए अस्थिर ग्लोबल इंपोर्ट मार्केट पर निर्भर रहना पड़ता है, जो टिकाऊ नहीं है। अहमद मुस्तार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और बढ़ा रहा है। जलवायु परिवर्तन सरकारों के द्वारा और मौजूदा आर्थिक संसाधनों पर तेजी से असर डाल रहा है। इस इलाके में कई बड़े देश तकनीकी रूप से औद्योगीकरण के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में कार्बन फुटप्रिंट शायद बढ़ेगा।

पहली बार दिखी केंकड़ों की रानी! काला नहीं, बैगनी है उसका रंग

बैगनी केंकड़े की तस्वीरें हुई वायरल

बैंकाक। आपने अपनी जिंदगी में कई बार केंकड़े देखे होंगे। इसमें छोटे-बड़े, काले या भूरे रंग के केंकड़े शामिल हैं। लेकिन, थाईलैंड के एक नेशनल पार्क में हाल ही में ऐसा केंकड़ा देखा गया, जिसने सबका ध्यान खींच लिया। इसका



रंग सामान्य काला नहीं, बल्कि खूबसूरत बैगनी-बैंगनी रंग के होते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में इसे सामान्य पांडा पैटर्न (स्फेद-काला) का खूबसूरत बैगनी वैरिएंट भी बताया गया है। पूरी तरह विकसित होने पर इसका आकार 9 से 25 मिलीमीटर होता है जो एक सिकटे से भी छोट है। यह नौसे पानी का वॉटरफॉल कैब है, जो सिर्फ पश्चिमी थाईलैंड में पाया जाता है। ठंडी, छायादार धाराओं और पत्तों में रहता है। प्रदूषित पानी बर्बाद नहीं कर सकता, इसलिए इसकी मौजूदगी पार्क की जवड़ी पर्यावरणीय स्थिति का संकेत मानी जाती है।

रानी' जैसा अनमोल नजारा बताया और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं।

कहां और कैसे दिखी ?

थाईलैंड के कैंग क्रावान नेशनल पार्क के फानोएन थुंग चेकपाईंट पर रेजर्स ने इस दुर्लभ केंकड़े की तस्वीरें खींचीं। पार्क हर साल 1 अगस्त से 31 अक्टूबर तक बंद रहता है। बंद होने से ठीक पहले के दिनों में यह नजारा मिला। पार्क चीफ मैनेजर वैयाफाकदी ने इसे प्रकृति का अनमोल उपहार बताया। इस प्रजाति को प्रिसेस कैब या सिरिधर्न कैब या पांडा कैब भी कहा जाता है।

रंग और आकार

इसका खोल (कारापेस) और पंजे सफेद रंग के होते हैं, जबकि चलने वाले पैर, आंखों के संकेत और मुंह के हिस्से गहरे बैगनी-बैंगनी रंग के होते हैं। इस रिपोर्ट्स में इसे सामान्य पांडा पैटर्न (स्फेद-काला) का खूबसूरत बैगनी वैरिएंट भी बताया गया है। पूरी तरह विकसित होने पर इसका आकार 9 से 25 मिलीमीटर होता है जो एक सिकटे से भी छोट है। यह नौसे पानी का वॉटरफॉल कैब है, जो सिर्फ पश्चिमी थाईलैंड में पाया जाता है। ठंडी, छायादार धाराओं और पत्तों में रहता है। प्रदूषित पानी बर्बाद नहीं कर सकता, इसलिए इसकी मौजूदगी पार्क की जवड़ी पर्यावरणीय स्थिति का संकेत मानी जाती है।

बरसात के पानी को जमा करने की निंजा टेक्निक

किगाली। दुनिया भर में पीने के पानी की किल्लत एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई देशों में सूखे की खबरें आती रहती हैं, भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और लोग दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं। रन वॉटर हार्वेस्टिंग यानी बारिश के पानी को जमा करने पर जोर दिया जाता है, लेकिन कई जगहों पर इसे अनदेखा कर दिया जाता है। रवांडा ने इस मामले में एक मिसाल पेश की है। यहां के ज्यादातर घरों की छतें ऐसी बनाई गई हैं कि बरसात का पानी जमा हो सके। रवांडा की ये तकनीक बेहद सरल, लेकिन असरदार है। घरों की छतों को विशाल कलेक्शन पनल



यानी चोंगे के आकार में डिजाइन किया गया है। छत का ढलान इस तरह रखा गया है कि बारिश का पानी चारों तरफ से एक केंद्रीय चैनल में इकट्ठा होता है और पाइप के जरिए सीधे भूमिगत टैंकों में पहुंच जाता है। नतीजा ये होता है कि बरसात का पानी घर की टंकी में सुरक्षित जमा हो जाता है और जब जरूरत हो तब इस्तेमाल किया जा सकता है।

किल्लत में दूढ़ रहे जुगांडा : रवांडा अफ्रीका का एक छोटा लेकिन प्रगतिशील देश है। यहां पहाड़ी इलाके ज्यादा हैं और बारिश का पैटर्न मौसमी होता है। कुछ महीनों में अल्ट्रा बारिश हो जाती है तो कुछ समय सूखा पड़ सकता है। ऐसे में बारिश के पानी को सहेजना बेहद जरूरी हो जाता है। सरकार और नागरिक दोनों इस दिशा में जागरूक हैं।

अपनाया बेहतरीन आइडिया

स्थानीय लोगों का कहना है कि ये व्यवस्था उनकी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। चाहे शहर हो या ग्रामीण इलाका, ज्यादातर घरों में ये स्मार्ट छतें नजर आती हैं। बारिश होते ही पानी की धाराएं छत से बहकर एक जगह जुड़ जाती हैं और नीचे टंकी में सभा जाती हैं। एक बूंद भी बहकर बर्बाद नहीं होती। सोशल मीडिया पर इस तकनीक की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। लोग इसे निंजा टेक्निक बता रहे हैं क्योंकि ये तरीका देखने में साधारण है, लेकिन काम बहुत बड़ा करता है। कई भारतीयों ने कमेंट में लिखा कि काश हमारे यहां भी हर घर में ऐसी व्यवस्था होती तो मानसून का पानी यू ही ना बह जाता। कुछ ने पूछा कि क्या भारत में भी इसे अपनाया जा सकता है।

हर घर में बनी है ऐसी छत, सीधे टंकी में जमा हो जाता है रेन वॉटर!

सर्वप्रथम अत्याधुनिक
(अल्ट्रामॉडर्न) बर्न यूनिट
10 हंटेंसिव आइसोलेशन केयर ग्लास केबिन, हेपा फिल्टर/लेमिनर प्लासी 100% जीवाणु रहित ग्लास केबिन.
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉन्स्ट्रैक्ट सर्जरी सेंटर
आर. के. सी. के. सामने, चौबे कालोनी एवं पंचवटी नारा, घमनरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care For All..
कोल्ड रेडियो फ्रीक्वेंसी मशीन द्वारा

- गर्दन दर्द, फ्रोजन शोल्डर, कमर, कंधे एवं जोड़ों इत्यादि के दर्द का ईलाज
- सभी प्रकार के न्यूरोलॉजिकल दर्द जैसे-माइग्रेन, सिनर्ज एवं स्ट्रोक इत्यादि के दर्द का ईलाज
- पुराने असाध्य दर्द, कैंसर के दर्द जो किसी भी प्रकार के इलाज से ठीक नहीं हो रहे।

एडवांस पेन मैनेजमेंट क्लीनिक
सोमवार से शनिवार
समय : 10.00 से 05.00 बजे तक
DR. PANKAJ OMAR
Consultant Pain Specialist
MBBS, MD, FIPM (Germany and Singapore)
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) 7024500330
www.snh.org.in